CNEWS सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-14, अंक-304
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, मंगलवार 06 फरवरी 2024

आज का विचार

अभ्यास का एक औंस एक हजार शब्दों के लायक है।
-महात्मा गांधी

पेज-04

मराठा आरक्षण को लेकर मनोज पाटिल 10 फरवरी से करेंगे भूख हड़ताल

मुंबई। महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण के लिए लड़ रहे शिवबा संगठन के नेता मनोज जरांगे पाटिल (ने कहा है कि वह 10 फरवरी से भूख हड़ताल पर जाएंगे. मीडिया के सामने आपनी मांगों को दोहराते हुए जरांगे पाटिल ने कहा कि महाराष्ट्र सरकार 27 जनवरी को उन्हें दिए गए मसौदे पर अपने वादों को तुरंत लागू करे और मराठों को आरक्षण देने पर काम शुरू करे. मराठा नेता ने कहा कि सरकार के साथ-साथ विपक्षी समूहों के मुट्ठी भर 10-20 असंतुष्ट लोगों ने मेरे खिलाफ बोलने और सोशल मीडिया पर मुझ पर हमला करने का ठेका ले लिया है. वे मुझसे ईर्ष्या करते हैं और मुझसे नाराज हैं, यह लड़ाई मराठों के लिए है, लेकिन अगर वे अपनी हरकतों से बाज नहीं आए, तो मैं उनकी पार्टियों और नेताओं के साथ उनके नाम भी उजागर कर दूंगा. उन्होंने कहा कि ये लोग ऐसे मुद्दे उठाते रहते हैं कि मराठों को क्या मिला? या इस लंबे आंदोलन से मराठों ने क्या खोया है? जरांगे पाटिल ने कहा कि वे मुझे किनारे करने की बेताब कोशिशें कर रहे हैं. लेकिन मैं तब तक अलग नहीं होऊंगा जब तक मेरे मराठा भाई मुझे नहीं बताते कि ये श्रेय लेना चाहते हैं और इस तरह की रणनीति का सहारा ले रहे हैं. उन्होंने उन लोगों की भी आलोचना की जो मराठों के हित को नष्ट करने पर तुले हुए हैं. उन्होंने कहा कि मुट्ठी भर लोग इस तथ्य को पचाने में असमर्थ हैं कि एक गरीब परिवार का व्यक्ति समुदाय के आरक्षण के लिए लड़ रहा है. उन्हें चिंता है कि अगर मैं नहीं टूटा और आंदोलन को नियंत्रित नहीं किया गया, तो वे मराठों के बीच अपनी प्रतिष्ठा खो देंगे. शिवबा संगठन के नेता ने आगे कहा कि मैं जहां भी जाता हूं, लोग हमेशा मराठा आरक्षण की बात करते हैं. समुदाय के हित के लिए मैं 10 फरवरी से अपनी भूख हड़ताल पर आगे बढ़ूंगा. इसके साथ ही विरोधी ओबीसी समूहों ने भी अपना आंदोलन तेज करने की धमकी दी है, खासकर तब जब राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी से अलग हुए मंत्री छगन भुजबल ने खुलासा किया कि कैसे उन्होंने 16 नवंबर को ही अपना पद छोड़ दिया था. उनका त्याग पत्र अभी भी मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के पास है. अपनी ओर से, शिंदे ने बार-बार आश्वासन दिया है कि मराठा कोटा अन्य समुदायों की हिस्सेदारी को प्रभावित किए बिना दिया जाएगा.

केजरीवाल के पर्सनल सेक्रेटरी और आप सांसद के घर छापा

पार्टी से जुड़े 10 ठिकानों पर पहुंची ED, आतिशी बोलीं- हर जांच में घोटाला

दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल के पर्सनल सेक्रेटरी बिभव कुमार और AAP सांसद एनडी गुप्ता के घर पर आज (6 फरवरी) को ED की रेड हुई है। दिल्ली में AAP नेताओं और उनसे जुड़े लोगों के करीब 10 ठिकानों पर जांच एजेंसी तलाशी ले रही है। बताया जा रहा है कि ED की यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े एक मामले में हो रही है। ED की रेड के बीच दिल्ली की मंत्री और AAP नेता आतिशी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा- भाजपा हमें दबाना चाहती है, लेकिन हम डरेंगे नहीं। घोटाला हमने नहीं किया। असल में ED की जांच में ही घोटाला है। ED ने शराब नीति मामले में गवाहों के बयानों में फर्जीवाड़ा किया। तिशी ने दावा किया कि शराब घोटाले में ED ने इन्वेस्टिगेशन के बाद सारे ऑडियो फुटेज डिलीट कर दिए। जिनसे भी बयान लिए गए, उन्होंने कहा कि उनसे दबाव में बयान दिए। आतिशी ने पूछा कि ED ऑडियो डिलीट करके किसे बचाना चाहती है। आपने देश-कोर्ट के सामने जितने सवाल-जवाब किए हैं, उनमें से कितने के ऑडियो आपके पास मौजूद हैं।

आतिशी के आरोप- गवाहों को धमकाकर बयान लिए

आतिशी ने कहा- शराब नीति मामले में श्वष्ठ का सारा केस कई आरोपियों को सरकारी गवाह बनाने पर है। श्वष्ठ ने लोगों पर दबाव बनाकर बयान लिए। एक गवाह ने कहा कि इतनी जोर से थप्पड़ मारा कि कनपटी फट गई। एक विटनेस से कहा कि अगर AAP नेताओं के खिलाफ बयान नहीं दिया तो देखते हैं कि तुम्हारी बेटी कॉलेज कैसे जाती है। आतिशी ने पूछा कि ये कैसे पता चलेगा कि ED ने कोर्ट में जो स्टेटमेंट पेश किए, वो सही है या डरा-धमकाकर लिए गए। सुप्रीम कोर्ट के 2020 के ऑर्डर के तहत किसी भी एजेंसी को इन्वेस्टिगेशन कैमरे पर करना होता है। ये बात ED पर भी लागू होती है।

आप नेता के कहा- विटनेस ने हमें बताया कि हमने जो बयान दिए थे और जो बात कागज पर लिखी गई, वो अलग थी। ED ने बाद में गवाहों के फुटेज डिलीट कर दिए। हर विटनेस का अधिकार है कि उन्हें सीसीटीवी फुटेज (ऑडियो-वीडियो समेत) मिले। सुप्रीम कोर्ट ने इसी बात को लेकर आदेश दिया था।

केजरीवाल का दावा- भाजपा ने कहा हमारे साथ आ जाओ, हम छोड़ देंगे

केजरीवाल ने 4 फरवरी को दावा किया कि भाजपा ने उन्हें हाथ मिलाने का ऑफर दिया है। केजरीवाल ने रोहिणी में एक स्कूल के शिलान्यास कार्यक्रम में कहा- ये कहते हैं कि बीजेपी में आ जाओ, हम छोड़ देंगे। मैंने कहा, बिल्कुल नहीं आऊंगा। कतई नहीं आऊंगा। क्यों आ जाएं बीजेपी में। भाजपा में चले जाओ तो सारे खून माफ। हमने कौन सा गलत काम किया। स्कूल, अस्पताल, सड़कें ही तो बनवा रहे हैं, पानी का ही तो इंतजाम कर रहे हैं, सीवर ही तो ठीक करा रहे हैं। इन्हें जो साजिश करनी है, कर लें। मैं भी इनके खिलाफ डटा हूं, मैं भी नहीं छोड़ने वाला।

उत्तराखंड विधानसभा में पेश हुआ 742 पेज का यूनिफॉर्म सिविल कोड बिल, जानिए कांग्रेस का रुख

देहरादून। उत्तराखंड विधानसभा में समान नागरिक संहिता बिल 2024 पेश कर दिया गया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने 742 पेज का बिल पेश किया। अब इस पर चर्चा होगी। विधानसभा में भाजपा का पूर्ण बहुमत होने से बिल पारित करने में कोई परेशानी नहीं होगी।कांग्रेस ने यूसीसी पर अपना रुख साफ नहीं किया है, लेकिन इस बात पर आपत्ति दर्ज कराई है कि बिल आज ही पेश किया गया और आज ही चर्चा की जा रही है। कांग्रेस विधायकों का मत है कि यदि बिल पर कल से चर्चा होती तो वे बिल पढ़कर आते। यही कारण है कि जब बिल पेश किया गया, तब विपक्षी विधायकों ने नारेबाजी भी की। देश के इतिहास में यह पहला मौका है, जब किसी विधानसभा में यूसीसी बिल लाया जा रहा है। विधानसभा सत्र के दूसरे दिन सरकार समान नागरिक संहिता से संबंधित विधेयक सदन में प्रस्तुत किया। सोमवार को हुई विधानसभा की कार्यमंत्रणा समिति की बैठक में इस महत्वपूर्ण विधेयक को देखते हुए आज प्रश्नकाल व शून्यकाल स्थगित रखने का निर्णय लिया गया।

राहुल गांधी ने कुत्ते की प्लेट से उठाकर कांग्रेस नेता को दिया बिस्किट, भाजपा नेता का दावा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने आरोप लगाया है कि राहुल गांधी ने भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान कुत्ते की प्लेट से उठाकर कांग्रेस नेता को बिस्किट दिया। भाजपा की आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर साझा करते हुए ऐसा दावा किया है। अमित मालवीय ने वीडियो के साथ साझा किए पोस्ट में लिखा 'अभी कुछ दिन पहले कांग्रेस अध्यक्ष खरगे जी ने पार्टी के बूथ एजेंटों की तुलना कुत्तों से की और यहां राहुल गांधी अपनी में एक कुत्ते को बिस्किट खिला रहे हैं और जब कुत्ते ने नहीं खाया तो वही बिस्किट उन्होंने कार्यकर्ता को दे दिया। जिस पार्टी का अध्यक्ष और युवराज अपने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ कुत्ते की तरह व्यवहार करे तो ऐसी पार्टी का लुप्त हो जाना स्वभाविक है।' अग्रिबाण इस वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। अभी कुछ दिन पहले कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे जी ने पार्टी के बूथ एजेंटों की तुलना कुत्तों से की और यहाँ राहुल गांधी अपनी यात्रा में एक कुत्ते को बिस्किट खिला रहे हैं और जब कुत्ते ने नहीं खाया तो वही बिस्किट उन्होंने अपने कार्यकर्ता को दे दिया। भाजपा नेता पल्लवी सीटी ने भी वीडियो को लेकर राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने सोशल मीडिया पर साझा पोस्ट में लिखा 'अब शहजादे ने कुत्ते द्वारा खारिज किए बिस्किट एक पार्टी कार्यकर्ता को दिए। पार्टी कार्यकर्ताओं, समर्थकों और मतदाताओं की ये इतनी इज्जत करते हैं।' पल्लवी सीटी ने उस दिन को भी याद किया, जब कांग्रेस में रहते हुए हिमंता बिस्व सरमा को भी राहुल गांधी ने उसी प्लेट में बिस्किट ऑफर किए थे, जिसमें उनका पालतू कुत्ता खाता था। पल्लवी के पोस्ट पर असम सीएम ने प्रतिक्रिया देते हुए लिखा 'राहुल गांधी ही नहीं बल्कि पूरा गांधी परिवार मुझे वो बिस्किट नहीं खिला सका। मैं एक गौरवशाली असमिया और भारतीय हूं। मैंने बिस्किट खाने से मना कर दिया और कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया।' राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस भारत जोड़ो न्याय यात्रा निकाल रही है। यह यात्रा 14 जनवरी को मणिपुर की राजधानी इंफाल से शुरू हुई थी। फिलहाल यह यात्रा झारखंड में है और अगले कुछ दिनों में छत्तीसगढ़ जाएगी।

सिक्किम की युवती से दरिंदगी, दुष्कर्म के बाद सरिए से पीटा, गर्म दाल डाली

नई दिल्ली। दक्षिण जिले के नेबसराय इलाके में उत्तर-पूर्व की 32 वर्षीय युवती के साथ दरिंदगी का मामला सामने आया है। आरोपी पारस ने पहले तो युवती के साथ शादी का झांसा देकर दुष्कर्म व कुकर्म किया। शादी के लिए जोर देने पर पहले उसे लोहे के सरिये से जमकर पीटा। इसके बाद उस पर गर्म दाल डाल दी। इसके बाद आरोपी उसे कमरे में बंद कर फरार हो गया। लहूलुहान पीड़िता करीब पांच घंटे तक बंद कमरे में तड़पती रही। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया। उसके शरीर पर चोट के 20 से ज्यादा निशान पाए गए हैं। हालांकि नेबसराय थाना पुलिस ने फुर्ती दिखाई और आरोपी पारस को सतबड़ी से गिरफ्तार कर

लिया। उससे पूछताछ की जा रही है। दक्षिण जिले के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि आरोपी पारस पेशे से कुक है। उसकी करीब चार महीने पहले सिक्किम की युवती से फेसबुक पर दोस्ती हुई। युवती ने उससे नौकरी दिलाने की बात कही तो आरोपी ने उसे बहाने से दिल्ली बुला लिया। युवती 10 जनवरी को दिल्ली आ गई। यहां पर आरोपी उसके साथ खानपुर इलाके में रहने लगा और शादी का झांसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाने लगा। इसके बाद युवती उस पर शादी करने का दबाव बनाने लगी। मगर पारस सहमति संबंधों में रहने की जिद कर रहा था। इस बात पर युवती व पारस के बीच 30 जनवरी की रात झगड़ा हो गया। आरोपी ने युवती को लोहे के सरिए से खूब पीटा। उस समय पीड़िता दाल बना रही थी। आरोपी ने गर्म दाल उसके ऊपर डाल दी। इससे युवती का चेहरा, हाथ व दोनों पैर बुरी तरह जल गए। मामला दर्जकर नेबसराय थानाध्यक्ष राकेश सिंह डडवाल की देखरेख में हवलदार संजय, हवलदार सुनील व हवलदार विक्रम यादव और महिला एसआई सरिता की टीम ने जांच शुरू की। युवती का आरोप है कि आरोपी लंबे समय से उसे बंधक बनाकर दुष्कर्म कर रहा था।

शिकारी बाज भेज भारत की जासूसी कर रहा था पाकिस्तान, पंखों से मिली ऐसी-ऐसी चीजें

जैसलमेर। भारत और पाकिस्तान के बीच कई सदियों से जो दीवार है, वो कम होने का नाम नहीं ले रही है. जब कभी भारत अपने पड़ोसी पर विश्वास करने की कोशिश करता है, सामने से धोखा मिल जाता है. एक बार फिर पाकिस्तान की ऐसी ही चाल सामने आई. इस बार पाकिस्तानियों ने भारत पर नजर रखने के लिए बाज का इस्तेमाल किया. बीते कुछ समय से बाज के जरिये भारतीय सरहद पर नजर रखे जाने के कई मामले सामने आए हैं. हाल ही में भारतीय सेना के जवानों ने जैसलमेर के नजदीक इंडो-पाकिस्तान बॉर्डर के पास ऐसे ही एक शिकारी बाज को पकड़ा है. बताया जा रहा है कि इस बाज के पंखों पर ट्रांसमीटर और एंटीना लगे हुए थे. साथ ही इसके पंजों में रिंग भी लगे थे. सीमा सुरक्षा बल की 35 बीएन बटालियन ने सीमा पार से उड़ कर आए इस पक्षी को पकड़ा और इसकी

पड़ताल करने के बाद इसको पुलिस को सौंप दिया. अब पुलिस और सीमा सुरक्षा बल इस पक्षी और इसके पंखों पर लगे ट्रांसमीटर व एंटीना की जांच कर रहे हैं. गौरतलब है कि सरहद पार से लगातार पक्षियों के आने का सिलसिला जारी है. इससे पहले भी ऐसे कई मामले देखने को मिल चुके हैं. इस वजह से ही सीमा सुरक्षा बल ने अपनी चौकसी और ज्यादा चौकन्ना कर दी है. पाकिस्तान पिछले कुछ समय से बॉर्डर पर नजर रखने के लिए इन पक्षियों का इस्तेमाल कर रहा है. वो इनके पंखों पर ट्रांसमिटर्स लगा देता है ताकि भारत की हर गतिविधि की जानकारी उसे हो जाए. भारत-पाकिस्तान से लगती सीमा पर बीएसएफ चौकस नजरों से तारबंदी के पास निगरानी कर रही है. इसी का नतीजा है कि सरहद पार से उड़कर आने वाले पक्षियों पर भी उसकी पैनी नजर है. शाहगढ़ पुलिस चौकी के प्रभारी बाबूराम ने बताया कि मामला रविवार देर शाम का है, जब शाहगढ़ इलाके में 35 बीएन बटालियन, सीमा सुरक्षा बल के जवान चौकसी कर रहे थे. इस दौरान पाकिस्तान की सीमा की तरफ से एक बाज पक्षी उड़ता हुआ भारत की सीमा में आया. पक्षी के पंजों में रिंग और पंखों पर ट्रांसमीटर व एंटीना लगा देखा बीएसएफ के जवानों ने कड़ी मशक्कत के बाद उसको पकड़ा. जब जवानों ने पक्षी को पकड़ा तो हैरान ही रह गए. BSF जवानों ने बाज की जांच में उसके पंखों पर एक ट्रांसमीटर व एक एंटीना पाया. इसके साथ ही उनके पंजों में रिंग भी थी. ये देखते ही सीमा सुरक्षा बल के जवानों ने अपने अधिकारियों को जानकारी दी. अधिकारियों ने सारी जांच के बाद शाहगढ़ पुलिस चौकी को भी मामले की जानकारी दी. शाहगढ़ पुलिस चौकी के प्रभारी बाबूराम ने बताया कि हमने जानकारी ले ली है. अब सीमा सुरक्षा बल और पुलिस पक्षी की जांच के साथ साथ ट्रांसमीटर व एंटीना की जांच की जा रही है.

सावधान जाहिर सूचना

ग्राम गोकन्या हल्का शिवनगर रा.नि.मं. सिमरोल तहसील महू जिला इन्दोर म.प्र खसरा न. 72 वा अन्य खसरो कृषि भूमि के सम्बन्ध मे।

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम गोकन्या हल्का शिवनगर रा.नि.मं. सिमरोल तहसील महू जिला इन्दोर म.प्र मे स्थित कृषि भूमि विजय पिता राम भरोसे तिवारी से छल कर फरेब से सोची समझी चाल चल कर जिसका खसरा नंबर 72 वा अन्य खसरो को लिख कर 8 विक्रय पत्रो के लिए कूटरचित भाषा लिख कर दस्तावेज तयार कर वा फर्जी चेको को दे कर जालसाजी और 420 से विक्रय पत्रों का पंजीयन करवाया गया है इन सभी के नाम इस प्रकार है सुमित प्रकाश पाटनी पिता मणिक चन्द पाटनी, अरुणा पाटनी पति सुमित प्रकाश पाटनी,अनिल कुमार पंवार पिता मोहन सिंह पंवार, राहुल जैन पिता राकेश जैन, आनंद कसेरा पिता लक्ष्मणदास कसेरा राकेश जैन पिता स्व.नवीन चन्द जैन,पार्वती जैन पति बक्षीराम जैन, पवन जैन पिता बक्षीराम जैन इन सभी के खिलाफ पुलिस में जांच चल रही है कोर्ट में केस पेंडिंग है अत- कृषि भूमि खसरा नंबर 72 वा अन्य खसरो का सौदा किया गया था जिसका भुगतान राशि चेको के माध्यम से की गई थी पर चैक अनादरण होने से सौदा 2018 में निरस्त किया जा चुका है जिसकी सूचना पेपर विग्यप्ति के माध्यम से पहले ही सूचना दी जा चुकी है अत- इन सभी विक्रय पत्रो के संदर्भ मे किसी भी व्यक्ति, संस्था या बैंक आदि से कर्ज हेतू प्राप्त करता है या इन रजिस्ट्री के माध्यम से विक्रये करता है तो इस की जवाब देयी किसान भूमि मालिक की नही होगी
अत : होने पर पुलिस कार्रवाई की जाएगी।

सिंगल कॉलम

बीमारी बनती जा रही सौ-छल मीडिया पर लाइक, कमेंट पाने की जिद

इंस्ट्राग्राम, फेसबुक, यूट्यूब और वाट्सएप जैसे इंटरनेट मीडिया माध्यमों पर लाइक और कमेंट पाना अब मानसिक बीमारी बनता जा रहा है। शहर के कुछ युवा तो चंद लाइक और कमेंट पाने के लिए ऐसे-ऐसे स्टंट कर रहे हैं, जिनसे न केवल उनकी जान जोखिम में पड़ती है बल्कि दूसरों को भी वे परेशानी में डाल देते हैं। नईदुनिया ने जब इस मानसिक रोग की पड़ताल की तो चौंकाने वाली बातें सामने आईं।कथित भौंडी आधुनिकता के युग में इंटरनेट मीडिया को लेकर अक्सर युवाओं में ऐसी बातें होती हैं- यार मेरे फालोअर्स नहीं बढ़ रहे, अकाउंट पर रीच नहीं आ रही, अब किस तरह से रील बनाऊं। ये बातें आए दिन डिजिटल कंटेंट क्रिएटर्स के बीच होती हैं। ज्यादातर युवा कथित कूल बनने के चक्कर में इंटरनेट मीडिया पर कंटेट बनाकर पोस्ट करते हैं। हैशटैग, पोस्ट टाइमिंग, कंटेट क्वालिटी जैसी कई तकनीकी चीजों के अलावा इन क्रिएटर्स को वायरल करने में किस्मत का भी योगदान होता है। ऐसे में इंटरनेट मीडिया पर कंटेंट बनाने वालों की भीड़ हो गई है। लोग अब अलग दिखने के चक्कर में कुछ भी करने को तैयार रहते हैं। कई बार क्रिएटर्स सार्वजनिक तौर पर अभद्र बात करना, आम लोगों को परेशान करना, अपनी जान पर खेलना जैसे कंटेंट बनाने लगते हैं। अपनी कथित प्रसिद्धि पाने के लिए ये किसी भी हद के कंटेंट बनाने लगते हैं। जो खुद के साथ ही लोगों के लिए भी परेशानी बनते हैं। अपने आप में तो यह खुद को स्मार्ट समझते हैं पर असल में लोग इन्हें काफी भला-बुरा कहते हैं।

बेहतर कल के लिए जरूरी 'ग्रीन, ब्ल्यू व इंफ्रास्ट्रक्चर' का संतुलन

यदि हम पानी को बचाना चाहते हैं, उसकी कीमत को समझते हैं तो वेटलैंड (आद्रभूमि) के संरक्षण की बात को ध्यान में रखना बहुत जरूरी है। जब शहरों में जनसंख्या बढ़ती है तो वेटलैंड सिकुड़ने लगते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि उनके जल का दोहन तो होता ही है, साथ ही वहां अवैध निर्माण कार्य, खेती आदि भी होने लगती है। बेहतर कल के लिए जरूरी है कि 'ग्रीन, ब्ल्यू और इंफ्रास्ट्रक्चर' के समीकरण को ध्यान रखा जाए। ग्रीन से तात्पर्य हरियाली और ब्ल्यू से अभिप्राय पानी है। जब हरियाली, पानी और अधोसंरचना के बीच संतुलित तालमेल होगा, तो परेशानी नहीं आएगी।यह बात पर्यावरणविद् डा. एसएल गर्ग ने सोमवार को प्रेस क्लब में वेटलैंड के महत्व और संरक्षण विषय पर हुई चर्चा में कही। विश्व आद्रभूमि दिवस के उपलक्ष्य में इंदौर प्रेस क्लब, सीएमएस वातावरण और वेटलैंड फार लाइफ संस्था द्वारा तीन दिनी फिल्म फेस्टिवल आयोजित किया गया। इसका समापन सोमवार को हुआ। समापन दिवस पर पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी फिल्मों के प्रदर्शन के अलावा चर्चा आयोजित की गई। चर्चा में डा. गर्ग के अलावा पद्मश्री भालू मोंढ़े, भूजल विज्ञानी सुधींद्रमोहन शर्मा, प्रो. लखन रघुवंशी ने विचार साझा किए।

डा. गर्ग ने कहा कि नदियों के किनारे ही धर्म, सभ्यता व संस्कृति का विकास हुआ। यदि वेटलैंड घटे तो इसका मानव जीवन पर भी प्रतिकूल प्रभाव पडेगा। सुधींद्रमोहन शर्मा ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए हम कई मुद्दों पर बात करते हैं, लेकिन पानी पर नहीं करते जबकि दिन की शुरुआत ही पानी से होती है। कई देशों में पानी की सुरक्षा सेना द्वारा की जाती है। हमारे देश में पानी आसानी से मिल जाता है इसलिए हम कद्र नहीं करते।

वेटलैंड से हमारे और पशु-पक्षी के लिए खाद्य पदार्थ का उत्पादन होगा। वेटलैंड हमारे और धरती के स्वास्थ्य के लिए बहुत आवश्यक हैं क्योंकि ये कई हानिकारक गैसों को अवशोषित कर लेते हैं। प्रो. लखन रघुवंशी ने कहा कि पर्यावरण को वर्तमान में पाठ्यक्रम से तो जोड़ा गया है, लेकिन अब जरूरत है कि इसे रोजगार से भी जोडा जाए। विद्यालयीन पाठ्यक्रम में भी इसे शामिल किया जाना चाहिए ताकि बच्चे भी जागरूक हों।

कपास के दाम एमएसपी से नीचे, सीसीआइ ने 6 लाख क्विंटल रुई खरीदी

मध्य प्रदेश में कपास का भाव घटकर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से नीचे आने से सरकारी एजेंसी भारतीय कपास निगम (सीसीआई) को मंडियों में हस्तक्षेप करना पड़ रहा है। केंद्रीय कपड़ा मंत्रालय की इस अधीनस्थ एजेंसी द्वारा अब तक राज्य में किसानों से समर्थन मूल्य पर लगभग छह लाख क्विंटल रुई की खरीद की जा चुकी है।एजेंसी ने मध्य प्रदेश में रुई की खरीद के लिए 21 क्रय केन्द्र खोले हैं। वह अब तक पिछले दो साल में रुई की सबसे ज्यादा खरीद कर चुकी है। मध्य प्रदेश कपास के महत्वपूर्ण उत्पादक राज्यों में शामिल है। जहां अक्टूबर से ही थोक मंडियों में रुई की आवक हो रही है जबकि दिसंबर-जनवरी में इसकी आपूर्ति काफी बढ़ जाने से कीमतों में गिरावट आ गई। बाजार भाव घटकर समर्थन मूल्य से नीचे आने के बाद सीसीआई ने वहां हस्तक्षेप किया। निगम ने कहा कि अक्टूबर 2023 से अब तक मध्य प्रदेश में करीब 6 लाख क्विंटल कपास की खरीद की जा चुकी है और जब तक किसान क्रय केंद्रों पर अपना माल लाते रहेंगे तब तक इसकी खरीद जारी रखी जाएगी। वैसे निगम की खरीद के कारण रुई के दाम में अब कुछ सुधार आया है और यह समर्थन मूल्य के आसपास पहुंच गया।

हायर एजुकेशन सर्वे के लिए डाटा देने में 137 कालेज पीछे

सप्ताह दिन में प्रबंधन को देना होगा ब्यौरा

सिटी चीफ इन्दौर

आल इंडिया सर्वे आन हायर एजुकेशन (एआइएसएचए) के लिए देशभर के शैक्षणिक संस्थानों से 2022-23 सत्र का डाटा मांगा जा रहा है। इसके लिए उच्च शिक्षा विभाग बीते पांच महीने से कालेजों को जानकरी भेजने को बोल रहा है। बावजूद इसके सैकड़ों ऐसे कालेज है, जो डाटा देने में पिछड़ गए है।विभाग को तीन मर्तबा तारीख भी बढ़ाना पड़ी है। अकेले देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के दायरे में आने वाले 137 कालेज है, जिन्होंने पिछले शिक्षा सत्र का ब्यौरा नहीं दिया है। 130 बिंदुओं पर डाटा नहीं देने वाले 14 सरकारी कालेज है, जिसमें होलकर साइंस, न्यू जीडीसी और ओल्ड जीडीसी कालेज इंदौर, निर्भय सिंह पटेल, शासकीय महाविद्यालय सांवेर, गवर्नमेंट ला कालेज बड़वानी, गवर्नमेंट कालेज धार, गंधवानी, बडवाह, सेंधवा, खरगोन, देपालपुर, महेश्वर, बुरहानपुर शामिल है। डाटा भेजने में लापरवाही बरतने वाले कालेजों को सात दिन का समय दिया है। विश्वविद्यालय ने इन कालेजों की सूची वेबसाइट पर जारी की है। साथ ही इन्हें नोटिस भी थमा दिया है। हालांकि

अधिकारियों के मुताबिक समयावधि में सर्वे का डाटा नहीं देने वाले कालेजों की संबद्धता निरस्त की जाएगी। बताना है पाठ्यक्रम के बारे में एआइएसएचए के लिए प्रत्येक कालेजों को रिपोर्ट देना होती है। इसके आधार पर सरकार को प्रदेश में शिक्षा का स्तर जानने में आसानी होती है। डाटा भेजने के लिए शैक्षणिक संस्थानों को कुल 130 बिंदुओं पर जानकारी देना होती है। प्रबंधन को विद्यार्थी-शिक्षक, कर्मचारी-अधिकारी सहित अन्य स्टाफ की जानकारी है। साथ ही पाठ्यक्रम-सीट संख्या का भी उल्लेख करना है। वहीं खेल मैदान, कम्प्युटर-साइंस लैब, बिल्डिंग, लाइब्रेरी, परीक्षा परिणाम सहित अन्य जानकारी देना है। सहायक कुलसचिव अनुराग द्विवेदी का कहना है कि संस्थानों से जानकारी मिलने के बाद एक पोर्ट बनाएंगे, जो उच्च शिक्षा विभाग को भेजेंगे।

शहर में अपराध नियंत्रण करने के लिए पुलिस ने किया फ्लैग मार्च

कटनी, कटनी पुलिस द्वारा प्रभावी कांबिंग गस्त में सख्त कार्यवाही लगातार कर रही है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में जिले के समस्त राजपत्रित अधिकारी पुलिस के पर्यवेक्षण में जिला कटनी में समस्त थानों में लगातार दो दिनों से रात्रि कांबिंग गश्त के दौरान कई कार्यवाही की गईं । इस कांबिंग गश्त में शामिल पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी की संख्या करीब 193 थी। कोतवाली थाना क्षेत्र में भी लगातार कोतवाली थाना प्रभारी आशीष शर्मा अपने पूरे स्टाप के साथ कांबिंग गश्त कर रहे है। कोतवाली पुलिस थाना क्षेत्र स्थित शराब दुकानों के बाहर बैठ शराब का सेवन करने वालो को वाह से हटाया और दुकान संचालकों को समझाइश दी वही यह कहा यदि दोबारा इस तरह का दृश्य दिखाई देता है तो

वह चलानी कार्यवाही करेंगे।

कटनी कोतवाली थाना प्रभारी ने अपने पुलिस स्टाप के साथ सुभाष चौक से होते हुए स्टेशन चौराहा और गर्ग चौराहे से लाकर शहर का भ्रमण किया इस दौरान सुंधिग्द होगा की तलाशी भी कराई। कोतवाली थाना प्रभारी ने आशीष शर्मा ने बताया की शहर में हो रहे अपराध की रोकथाम और अपराधियों की धार पकड़ के लिए कार्यवाही लगातार की जा रही है। वही शहर में गांजा स्मैक जैसे मादक पदार्थ की तस्करी करने वालो की भी तलाश की रही है। पुलिस के मुताबिक कार्यवाही में गिरफ्तारी वारंटी- 52 गिरफ्तार , स्थाई वारंटी- 29 गिरफ्तार, गुंडा चेकिंग ङ्क 66 चेक किए गए, जिला बदर चेकिंग ने 06 चेक किए गए, निगरानी बदमाश 44 तत्वों को चेक किया गया। जेल रिहाई वाले 09 लोग चेक किए गए। आबकारी अधिनियम अंतर्गत दर्ज प्रकरण में 35 प्रकरण पंजीबद्ध कर आरोपियों के वैधानिक कार्यवाही की गई। वहीं आर्म्स एक्ट ङ्क 02, जुआ एक्ट ङ्क 01, एमव्ही एक्ट ङ्क 04। प्रतिबंधात्मक कार्यवाही (151 सीआरपीसी)- 07 प्रकरण पंजीबद्ध कर आरोपियों के विरुद्ध प्रतिबंधात्मक कार्यवाही की गई। कांबिंग गश्त जिले के समस्त थाना अंतर्गत पृथक पृथक चेकिंग पॉइंट पर सघनता एवं बारीकी से वाहन चेकिंग, शराब पीकर वाहन चलाने वाले वाहन चालकों को ब्रेथ एनालाइजर के माध्यम से चेक किया गया, एवं दुर्घटना से बचाव हेतु एडवाइजरी का पालन करने व सावधानीपूर्वक वाहन ड्राइविंग करने की हिदायत दी गई। सभी ढाबा, होटल, एटीएम स्थल, बस स्टैंड भ्रमण करते हुए चेकिंग कर अनावश्यक घूमते एवं संदिग्ध व्यक्तियों के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही भी की गई।

अनुसूचित जाति वर्ग की एक बड़ी बैठक अंबेडकर भवन में हुई संपन्न

दमोह, अनुसूचित जाति वर्ग की एक बड़ी बैठक अंबेडकर भवन में संपन्न हुई इस बैठक में अनुसूचित जाति वर्ग के सभी युवाओं एवं वरिष्ठ जनों की उपस्थिति रही आगामी 24 फरवरी को संत शिरोमणि रविदास जयंती मनाने के लिए यह बैठक आयोजित की गई थीद्य इस बैठक में सभी ने अपने-अपने सुझाव रखें द्यसभी लोगों की राय से एक समिति का गठन किया गया यह समिति आगामी साल में संत रविदास जयंती और 14 अप्रैल को अंबेडकर जयंती के कार्यक्रम को बड़े रूप में भव्य मनाने के लिए बनाई गई हैद्य समाज में संचालित हो रहे सभी संगठनों के पदाधिकारी की उपस्थिति में आयोजन समिति का गठन किया गया इस समिति में पीजी कॉलेज के प्राचार्य के पी अहिरवार को अध्यक्ष एवं पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष भगवान दास चौधरी को उपाध्यक्ष मुकेश अहिरवाल मासाहब को सचिव, डॉक्टर मोहन आदर्श कोषाध्यक्ष, रामेश्वर चौधरी सह सचिव और हेतराम मासाहब को महासचिव बनाया गया यह समिति आने वाले दिनों में रविदास जयंती और अंबेडकर जयंती के लिए बनाई गई है

पन्ना के अमानगंज में 22 फरवरी को होगा राम दरबार एवं प्राचीन बाल हनुमान प्राण प्रतिष्ठा उदघाटन, जोरों पर है तैयारियां

पन्ना, 22 फरवरी को अमानगंज, झिरियन मैं होने वाले राम दरबार एवं प्राचीन बाल हनुमान प्राण-प्रतिष्ठा समारोह की तैयारियां जोरों पर चल रही हैं मंदिर में इस समय इस प्राण प्रतिष्ठा अवसर को यादगार बनाने की तैयारी चल रही है। मंदिर का गर्भ ग्रह 10 ×10में भव्य तरीके से निर्माण किया गया है साथ ही सुंदर मंदिर का निर्माण देखने लायक है,राम दरबार मूर्ति 3-15 फुट की जयपुर से मकराना पत्थर की मंगवाई गई है जो दिव्या आकर्षित है, 16 फरवरी से 23 फरवरी तक मंदिर प्रांगण अयोध्या नगरी जैसा दिखेगा जहां प्रभु श्री राम की बाल लीलाएं और श्री राम जी का चरित्र साधु संतों के द्वारा प्रसारण किया जाएगा। इस अवसर विद्यालय के व्यायाम शिक्षक राजकुमार साहू एव करण सेन प्रीति सिंह रोशनी यादव उपस्थित रहे.

सुरक्षा प्रशासन विभाग ने हटा नगर के रतन बजरिया स्थित फुटकर किराना दुकानों का किया औचक निरीक्षण

दमोह, दमोह कलेक्टर मयंक अग्रवाल द्वारा दिये गये निर्देशों के तहत डी.ओ. खाद्य सुरक्षा प्रशासन राकेश अहिरवाल के मार्गदर्शन में खाद्य सुरक्षा अधिकारी माधवी बुधौलिया ने निरीक्षण कार्यवाही करते हुए हटा नगर के रतन बजरिया स्थित मुनीम साब सुधांशु किराना स्टोर एवं गुरुकृपा किराना स्टोर पर निरीक्षण कार्यवाही करते हुए मैथीदाना एवं मार्बल ब्रांड चायपत्ती के नमूनें जांच हेतु लिए। इन नमूनों को जांच हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजा गया है। उक्त नमूनों की जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर नियमानुसार वैधानिक कार्यवाही की जाएगी। निरीक्षण के दौरान परिसर में फूड लाइसेंस की प्रति लगी हुई पाई गई एवं परिसर में किराना दुकान संचालक के पास पेस्ट कंट्रोल प्रबंधन प्रमाण पत्र पाए गए। इस दौरान कार्यरत कर्मचारियो के मेडिकल फिटनेस प्रमाण पत्र बनवाने के निर्देश दिए गए हैं।

कानून एवं शांति व्यवस्था भंग करने के प्रयास में कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी

मयंक अग्रवाल ने मजिस्ट्रियल जाँच के किये आदेश जारी

दमोह, तहसील दमयंती नगर दमोह क्षेत्र में 03 फरवरी 2024 को रात्रि लगभग 10 बजे बड़ी संख्या में असामाजिक तत्वों द्वारा थाना कोतवाली का घेराव कर नारेबाजी की तथा कानून एवं शांति व्यवस्था भंग करने का प्रयास किया गया। इस घटना के कारणों की मजिस्ट्रियल जाँच कराया जाना आवश्यक मानते हुये कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट मयंक अग्रवाल ने घटना की मजिस्ट्रियल जॉच हेतु आदेश जारी किया है। उन्होंने अपर कलेक्टर एवं अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी दमोह मीना मसराम को मजिस्ट्रियल जाँच अधिकारी नियुक्त किया है तथा श्रीमती मसराम को निर्देश दिये है कि एक माह की समयावधि में जाँच प्रतिवेदन कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किया जाये । जाँच के बिन्दु में

घटना का कारण क्या है, घटना के लिए कौन-कौन जिम्मेदार है एवं उनके नाम, क्या यह पूर्व नियोजित घटना थी, क्या घटना में शामिल व्यक्तियों का असामाजिक तत्वों से संबंध है, इस प्रकार की घटना की पुनरावृत्ति भविष्य में न हो, इस संबंध में आवश्यक सुझाव तथा अन्य कोई सुसंगत तथ्य जो जाँच में पाए गए का उल्लेख किया जाये।

इंदौर में मात्र 600 वर्गफीट में बनी इमारत में चल रहा था स्कूल

बिना मान्यता के 12वीं तक कक्षा ली, बच्चे नहीं दे सके परीक्षा

सिटी चीफ इन्दौर

दो दर्जन से अधिक विद्यार्थियों को माध्यमिक शिक्षा मंडल की बोर्ड परीक्षा से वंचित करने वाला जय गुरुकुल एकेडमी स्कूल मात्र 600 वर्गफीट में बनी इमारत में संचालित हो रहा है। स्कूल के पास खेल मैदान तक नहीं है। बावजूद शिक्षा विभाग ने स्कूल को आठवीं तक की मान्यता दे दी । स्कूल संचालक ने बिना मान्यता के ही नौवीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों को नियमित प्रवेश देकर पढ़ाया। फीस वसूलने के बाद भी विद्यार्थियों का परीक्षा फार्म नहीं भरा। शिकायत के बाद स्कूल प्राचार्य और संचालक पुलिस की गिरफ्त में हैं।स्कूल के फर्जीवाड़े का खुलासा तब हुआ, जब स्कूल संचालन ने 10वीं और 12वीं के विद्यार्थियों को परीक्षा का रोल नंबर जारी नहीं किया। फीस भरने के बाद महीनेभर से विद्यार्थी रोल नंबर जारी करने की मांग कर रहे थे, लेकिन स्कूल संचालक द्वारा भ्रमित किया जा रहा

था। पालक मानसिंह ने बताया कि स्कूल संचालक द्वारा 10वीं के विद्यार्थियों से 10 हजार और 12वीं के विद्यार्थियों से 12 हजार रुपये बतौर परीक्षा शुल्क वसूल किया गया था, लेकिन परीक्षा फार्म तक जमा नहीं किए गए। हमारे बच्चों का एक साल बर्बाद हो गया है। हमें तो यह भी नहीं पता था कि स्कूल की मान्यता आठवीं तक ही है। सभी बच्चे परीक्षा देने जा रहे हैं, हमारे बच्चे उदास बैठे है। मान्यता पर खड़े हुए सवालझ जय गुरुकुल एकेडमी स्कूल के पास आठवीं तक की मान्यता है, जबकि स्कूल भवन के लिए कम से कम 1500 वर्गफीट जमीन की जरूरत होती है। जिला परियोजना समन्वयक शांता स्वामी भार्गव ने बताया कि स्कूल की मान्यता की जांच की जा रही है। नियम विरुद्ध मिलने पर माान्यता निरस्त कर दी जाएगी। पूरा साल खराब हो गया इस स्कूल के 24 विद्यार्थी 10वीं और 12वीं की परीक्षा से वंचित रह गए हैं। विद्यार्थियों ने बताया कि हम प्रदेश सरकार से गुहार लगा रहे हैं कि हमें कैसे भी करके परीक्षा में शामिल कर ले, नहीं तो पूरा साल खराब हो जाएगा। दूसरे स्कूल से भरा जाता था फार्म सूत्रों के अनुसार जय गुरुकुल एकेडमी द्वारा 10वीं और 12वीं के विद्यार्थियों के फार्म बाणगंगा स्थित राय एकेडमी से भरे जाते थे। जय गुरुकुल एकेडमी के विद्यार्थी राय एकेडमी के विद्यार्थी के रूप में परीक्षा देते थे, लेकिन इस बार फार्म राय एकेडमी पहुंचे ही नहीं।

12वीं की परीक्षा शुरू, केंद्रों पर एक घंटा पहले पहुंचे विद्यार्थी, पहला पेपर हिंदी का

सिटी चीफ भोपाल।

मप्र माध्यमिक शिक्षा मंडल की बोर्ड परीक्षाएं शुरू हो गई हैं। सोमवार को 10वीं कक्षा का पहला पेपर हुआ, वहीं मंगलवार यानी आज से 12वीं की परीक्षा शुरू गई है। 12वीं की परीक्षा में कुल 07 लाख 48 हजार 238 परीक्षार्थी शामिल हो रहे हैं। पहला पेपर हिंदी का हो रहा।परीक्षा सुबह ठीक 09 बजे शुरू हुई और 12 बजे तक है। 12वीं की परीक्षा के लिए प्रदेशभर में 3,638 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। इनमें से 302 संवेदनशील और 309 अति संवेदनशील परीक्षा केंद्र शामिल हैं। इन केंद्रों पर सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए हैं। एक घंटा पहले पहुंचे परीक्षार्थी राजधानी भोपाल में सभी परीक्षा केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था नजर आई। सुबह आठ बजे से ही विद्यार्थी परीक्षा केंद्र पहुंच गए थे। लाइन में लगाकर परीक्षार्थियों की जांच की गई। सबसे पहले प्रवेश पत्र पर क्यूआर कोड को स्कैन

किया गया। इसके साथ-साथ परीक्षार्थियों के जूते-चप्पल उतरवाकर भी जांच की गई। कई केंद्रों पर परीक्षार्थियों ने जूते-चप्पल उतारकर कक्ष के अंदर प्रवेश किया। परीक्षा कक्ष में परीक्षार्थियों को आधा घंटे पहले प्रवेश दिया गया। परीक्षा के पहले दिन विद्यार्थियों में भी उत्साह नजर आया। परीक्षा कक्ष में 20 विद्यार्थियों पर एक पर्यवेक्षक की तैनाती की गई है। एक बेंच पर एक परीक्षार्थी को बैठाया गया है।

नहीं मिलेगी सप्लीमेंट्री कापी

माध्यमिक शिक्षा मंडल ने इस बार परीक्षा पैटर्न में कई बदलाव किए हैं। प्रश्नपत्र हल करने के लिए छात्रों को 32 पेज की एक कापी दी जा रही है, सप्लीमेंट्री कापी नहीं मिलेगी। सभी परीक्षाकेंद्रों की आनलाइन निगरानी की जा रही है। इस बार केंद्राध्यक्ष, पर्यवेक्षकों के लिए भी परीक्षा केंद्र के भीतर मोबाइल ले जाना प्रतिबंधित किया गया है। प्रवेश पत्र पर क्यूआर कोड माध्यमिक शिक्षा मंडल ने इस बार सख्ती बरतते हुए बोर्ड परीक्षाओं में फर्जीवाड़ा रोकने के लिए प्रवेश पत्र में क्यूआर कोड लगाए हैं, जिसे स्कैन करते ही परीक्षार्थी का नाम, फोटो, माता-पिता व स्कूल का नाम, पंजीयन नंबर सहित पूरा विवरण आ जाता है। इससे फर्जी परीक्षार्थियों की पहचान भी आसानी से हो जाती है।

चार सेट में प्रश्नपत्र नकल रोकने को लेकर माध्यमिक शिक्षा मंडल ने पैटर्न बदल दिया है। 12वीं कक्षा के प्रश्न-पत्र चार सेट में तैयार किए गए हैं। हालांकि प्रश्नपत्रों का पैटर्न एक जैसा ही है। बस अलग-अलग सेट में सवालों का क्रम बदला हुआ दिखाई देगा। पैटर्न में बदलाव से नकल की संभावना कम रहेगी।

जनजातीय संग्रहालय में देखें चित्र प्रदर्शनी शहीद भवन में संगीत संध्या का आयोजन

सिटी चीफ भोपाल।

शहर में कलात्मक, सांस्कृतिक, सामाजिक, खेल, धार्मिक आदि गतिविधियों का सिलसिला निरंतर चलता रहता है। मंगलवार 06 फरवरी को भी शहर में ऐसी अनेक गतिविधियों का आयोजन होने जा रहा है, जिनका आप आनंद उठा सकते हैं। यहां हम कुछ ऐसे ही चुनींदा कार्यक्रमों की जानकारी पेश कर रहे हैं, जिसे पढ़कर आपको अपनी दिन की कार्ययोजना बनाने में आसानी होगी।व्याख्यान - भारतीय वन प्रबंधन संस्थान के 43वें स्थापना दिवस पर व्याख्यान का आयोजन किया जा रहा है। आइआइएफएम परिसर में कार्यक्रम सुबह 11 बजे से आरंभ होगा

चित्र प्रदर्शनी - मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय की लिखंदरा दीर्घा में गोंड चित्रकार संतू तेकाम के चित्रों की प्रदर्शनी सह-विक्रय का संयोजन किया ।

प्रदर्शनी को दोपहर 12 बजे से रात आठ बजे तक देखा जा सकता है।

सैन्य फिल्म प्रदर्शन - शौर्य स्मारक के मुक्ताकाश मंच पर शाम पांच बजे से सैन्य फिल्म सेटीनेल्स एट सी प्रदर्शित की जाएगी। यह फिल्म भारतीय नौसेना पर आधारित है, जिसमें जहाजों में जीवन, समुद्र में युद्ध आदि का वर्णन है। निर्देशन चंद्रशेखर नायर ने किया है।

संगीत संध्या - राष्ट्रकवि प्रदीप की जयंती एवं स्वरसम्राज्ञी लता मंगेशकर की पुण्यतिथि पर शाम 6:30 बजे शहीद भवन में ऐ मेरे वतन के लोगो... संगीत संध्या का आयोजन किया जा रहा है। सुहासिनी जोशी एवं दल द्वारा सांगीतिक प्रस्तुति दी जाएगी।

आयुष्मान कार्ड न बनाने पर 70 आशा कार्यकर्ता निलंबित, महीनों से अटका वेतन

सिटी चीफ भोपाल।

केन्द्र सरकार देशभर की आशा कार्यकर्ताओं को आयुष्मान योजना का लाभ दे रही है। अंतरिम बजट में आशा कार्यकर्ताओं को आयुष्मान के साथ अन्य कई सुविधाएं दी गईं। वहीं प्रदेश में आयुष्मान कार्ड ना बनाने पर 70 से ज्यादा आशा कार्यकर्ताओं को निलंबित कर दिया गया। यही नहीं, प्रदेश में हजारों आशा कार्यकर्ताओं को तीन से चार महीने से वेतन नहीं दिया जा रहा। अब हालात यह हैं कि वेतन न मिलने से कई परिवार घर चलाने के लिए कर्ज ले रहे हैं।यही नहीं इनमें से कई महिलाएं परिवार में कमाने वाली अकेली सदस्य हैं, इसके बावजूद वे महीनों से बिना वेतन काम करने को मजबूर हैं। विभाग से परेशान आशा कार्यकर्ताएं अब पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से गुहार लगा रही हैं। बीते दो दिनों में

शहरी और ग्रामीण दोनों आशा कार्यकर्ता संगठनों ने पूर्व मुख्यमंत्री से मिलकर उन्हें ज्ञापन सौंपा। परिवार में अकेली कमाने वाली भोपाल की जेबा खान परिवार में अकेली कमाने वाली हैं। एक छोटी बेटी है। वे बताती हैं कि तीन महीने से वेतन नहीं मिला, ऐसे में घर चलाना बहुत मुश्किल है। छोटे-मोटे काम कर कर जैसे-तैसे घर की जरूरतें पूरी कर रही हैं। 14 महीने से नहीं मिला वेतन शिवपुरी की रहने वाली अहिल्या परिहार ने बताया कि उन्हें 14 महीने से सैलरी नहीं मिली। परिवार के पास छोटा सा खेत है, लेकिन उससे इतनी कमाई नहीं होती कि परिवार चलाया जा सके। बच्चों की पढ़ाई और अन्य खर्च के लिए कर्ज तक लेना पड़ता है। एक आशा कार्यकर्ता राधिका का कहना है कि अधिकतर आशा कार्यकर्ता पांचवी पास है। इन्हें आयुष्मान कार्ड के अलावा अन्य सर्वे का काम दिया गया है। इस काम की कई जानकारियां अंग्रेजी में होती है। ऐसे में आशा कार्यकर्ताएं यह जानकारी नहीं भर पाती। यही कारण है कि उन्हें अयोग्य बताकर हटा दिया गया। इनका कहना है आशा कार्यकर्ताओं के पास मां और बच्चे से जुड़े 42 तरह के काम होते हैं। इसके अलावा अब उन्हें आयुष्मान योजना, यूविन पोर्टल, दस्तक अभियान, टीबी सर्वे और कुष्ठ सर्वे का अतिरिक्त काम भी दे दिया है। इसके बावजूद उन्हें सैलरी नहीं दी जा रही। ऐसे में कैसे घर चलेगा।

चुनाव आयोग के निर्देश-

बच्चों को चुनाव अभियान में किसी भी रूप में शामिल न करें, उल्लंघन होने पर कार्रवाई करें

सिटी चीफ भोपाल।

चुनाव संबंधी गतिविधियों में बच्चों की भागीदारी पर प्रतिबंध है। चुनाव आयोग ने सभी मुख्य सचिव और मुख्य निर्वाचन पदाधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि इस प्रविधान का पालन सुनिश्चित किया जाए। उल्लंघन होने पर कार्रवाई करें। वहीं, राजनीतिक दलों से कहा गया है कि वे बच्चों को किसी भी प्रकार के चुनाव अभियान में शामिल न करें। इसमें रैलियां, नारे लगवाना, पोस्टर या पर्चों का वितरण शामिल है।आयोग द्वारा दिए गए निर्देश में कहा गया कि राजनीतिक नेताओं और उम्मीदवारों को किसी भी तरह से प्रचार गतिविधियों के लिए बच्चों का उपयोग नहीं करना चाहिए। राजनीतिक अभियान में बच्चों को

भागीदार न बनाया जाए। वहीं, चुनाव अधिकारियों से कहा गया है कि वे चुनाव संबंधी का गतिविधि के दौरान किसी भी क्षमता में बच्चों को शामिल करने से बचें। बाल श्रम से संबंधित सभी अधिनियम और कानून का पालन सुनिश्चित किया जाए। यदि ऐसा होता है तो संबंधित अधिकारी के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

मौसम ने ली करवट

एयरपोर्ट के आसपास छाया घना कोहरा सुबह की अधिकांश उड़ानें लेट

सिटी चीफ भोपाल।

पश्चिमी विक्षोभ उत्तर भारत से आगे बढ़ गया है। इसके साथ ही प्रदेश में भी इसका असर कम हो गया, जिससे हवा का रुख एक बार फिर बदल गया। फिलहाल उत्तर-पूर्वी हवाएं चल रही हैं। इसके साथ-साथ उत्तर भारत के पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी हो रही है। उत्तर की ओर से आ रही हवाओं के असर से राजधानी भोपाल में मौसम ने एक बार फिर करवट ली। मंगलवार सुबह भोपाल में घना कोहरा छाया रहा, जिसके कारण हवाई यातायात प्रभावित हुआ है। राजा भोज एयरपोर्ट के आसपास सुबह से ही कोहरे की घनी चादर बिछी नजर आई। इस कारण सुबह की अधिकांश बढ़ाने विलंब से चल रही है। यात्रियों को एयरपोर्ट पर ही उड़ान आने का इंतजार करना पड़ रहा है।शून्य तक पहुंची दृश्यता सुबह छह से नौ बजे तक एयरपोर्ट पर दृश्यता शून्य हो गई थी। कुछ समय तक विजिबिलिटी 50 मीटर तक रही। मौसम खराब

होने के कारण एयर ट्रैफिक कंट्रोल रूम ने उड़ानों को लैंड होने की अनुमति नहीं दी। दिल्ली और मुंबई को उड़ानों को गंतव्य पर ही रोक दिया गया। इंडिगो की सुबह की दिल्ली उड़ान समय पर भोपाल नहीं पहुंच सकी। यह उड़ान करीब ढाई घंटे विलंब से चल रही है। इंडिगो की मुंबई और जयपुर उड़ान भी दो से ढाई घंटे विलंब से चल रही है। एयर इंडिया की दिल्ली उड़ान लेट एयर इंडिया की दिल्ली उड़ान आमतौर पर सुबह 7:20 पर भोपाल पहुंचती है। उड़ान दिल्ली से ही समय पर टेक ऑफ नहीं हुई। यात्रियों को बताया गया कि उड़ान ढाई घंटे विलम्ब से पहुंचेगी। राजा भोज एयरपोर्ट पर अनेक यात्री निर्धारित समय के अनुसार पहुंच गए थे। मौसम खराब होने के कारण उन्हें इंतजार करना पड़ा। पिछले एक-डेढ़ माह से कोहरे और खराब मौसम के कारण हवाई प्रभावित हो रहा है।

उज्जैन में एक मार्च को विक्रमोत्सव

महाशिवरात्रि पर्व व नगर गौरव दिवस भव्य रूप में मनेगा

सिटी चीफ भोपाल।

उज्जैन में एक मार्च को विक्रमोत्सव, महाशिवरात्रि एवं नगर गौरव दिवस भव्य रूप में मनाया जाएगा। इस मौके पर व्यापार मेला और इंवेस्टर्स समिट भी आयोजित होंगे। उज्जैयनी विक्रम व्यापार मेले का समापन नौ अप्रैल 2024 को शिवज्योति अर्पण कार्यक्रम के साथ किया जाएगा।इन आयोजनों से उज्जैन में पर्यटन के साथ रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। सांस्कृतिक आयोजनों में प्रसिद्ध अभिनेत्री एवं नृत्यांगना हेमा मालिनी, पार्श्व गायक जुबिन नौटियाल और अमित त्रिवेदी के कार्यक्रम भी प्रस्तावित हैं। इस मौके पर पौराणिक फिल्म फेस्टिवल होगा, साथ ही विक्रम कैलेंडर और वैदिक घड़ी का लोकार्पण भी होगा।

व्यापार मेले में 50 प्रतिशत छूट उज्जैन में होने वाली इंवेस्टर्स समिट में गुजरात, राजस्थान, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश सहित अन्य राज्यों के निवेशकों को आमंत्रित किया जा रहा है। व्यापार मेले में आटोमोबाइल की खरीदी पर टैक्स में राज्य शासन द्वारा 50 प्रतिशत दी जा रही छूट का

लाभ नागरिक प्राप्त कर सकेंगे। पर्यटन विभाग महाकाल दर्शन के साथ होटलों में रियायती दर पर रुकने की सुविधा उपलब्ध कराएगा। उज्जैन में एक मार्च से होने वाले आयोजनों में नागरिकों के सुविधाजनक आवागमन के साथ व्यापार मेला स्थल पर नगर निगम का स्वच्छता और सुरक्षा पर विशेष ध्यान रहेगा। **पार्किंग की व्यापक व्यवस्था** संपूर्ण मेला क्षेत्र सीसीटीवी कैमरों से कवर रहेगा। मेला स्थल पर पार्किंग की व्यापक व्यवस्था रहेगी। व्यवसायियों के लिए गोदाम की व्यवस्था भी की गई है। इन आयोजनों में जन-भागीदारी को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है।

हंगामा कर रहे युवकों ने पुलिसकर्मियों पर किया हमला

सिटी चीफ भोपाल।

बागसेवनिया थाना क्षेत्र में हंगामा कर रहे युवकों ने पुलिसकर्मियों पर हमला कर दिया। पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है।पुलिस के मुताबिक बागसेवनिया थाना में पदस्थ आरक्षक 35 वर्षीय लालबाबू यादव रविवार शाम को बागसेवनिया बाजार मंदिर के पीछे झुग्गी बस्ती में झगड़े की सूचना के बाद अपने साथी आरक्षक अजीत को लेकर घटना स्थल पर पहुंचे थे। जहां पर आधा दर्जन से ज्यादा युवक आपस में झगड़ा कर शोर मचा रहे थे। यह देख दोनों आरक्षकों ने उन्हें उन्हें शांत कराने का प्रयास किया तो आरोपियों ने गाली-गलौच कर उनके साथ झूमाझटकी शुरू कर दी और पत्थर से हमला कर दिया। इस हमले में आरक्षक लालबाबू यादव के चेहरे पर पत्थर लगने से वह घायल हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस बल मौके पर पहुंचा तो आरोपित भाग खड़े हुए। पुलिस ने आरक्षक की शिकायत पर शैलेन्द्र, रोहित, नवीन सहित अन्य के खिलाफ गाली-गलौज, शासकीय कर्मचारी से मारपीट और शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाने का प्रकरण दर्ज किया है।

घरों में पाले जा रहे प्रतिबंधित खूंखार श्वान

चोरी-छुपे चल रहा बेचने और ब्रीडिंग का कारोबार

सिटी चीफ भोपाल।

जिन श्वानों को दुनिया भर में उनकी हिंसक प्रवृत्ति के चलते खतरा माना जाता है जिनके पाले जाने पर देश में प्रतिबंध है। ऐसे खूंखार श्वानों को न केवल घरों में पाला जा रहा है बल्कि इनकी खरीद-फरोख्त और चोरी-छुपे ब्रीडिंग का कारोबार भी किया जा रहा है। यह श्वान अपने मालिकों से लेकर आसपास पड़ोस के नागरिकों के लिए खतरा साबित हो हैं। नवदुनिया ने जब आतंक का पर्याय बने प्रतिबंधित खतरनाक प्रजाति के श्वानों के पालन और खरीद-बिक्री की पड़ताल की तो सामने आया कि संकरी गलियों में स्थित छोटे बंद अंधेरे कमरों में इनकी ब्रीडिंग कराई जा रही है। बिना पंजीयन इनकी खरीदी और बिक्री का काम भी जारी है।विश्व की सबसे हिंसक

प्रजातियों के शामिल, पिटबुल, राटविलर, अमेरिकन बुलडाग, टासा इनु और फीफर डाग जैसी नस्लों के श्वान पालना कानूनी रूप से प्रतिबंधित है। ऐसे श्वानों को पालने के लिए लाइसेंस की जरुरत होती है। इन नस्लों को रहवासियों के लिए खतरनाक माना जाता है, क्योंकि इनसे होने वाले हमलों की संभावना अधिक होती है। इसके बावजूद चोरी-छिपे इन श्वानों की घरों में ब्रीडिंग कराई जा रही है। बाजार में मंहगे दामों पर इन्हें बेचा जा रहा है। घर में पाल रखे थे एक दर्जन श्वान बाजार में मिले व्यक्ति ने बताया कि उसका घर शाहजहांनाबाद स्थित संजय नगर में है। जब हम उसके घर पहुंचे, तो वहां एक दर्जन से अधिक विदेशी नस्ल के श्वान पाले गए थे। इससे श्वान पालने के पंजीयन के बारे में पूछा तो बताया कि हमारे पास ऐसे कोई दस्तावेज नहीं है। खरीदार भी श्वान खरीदने के लिए पंजीयन नहीं देखता है। निगम से किसी ने नहीं कराया पंजीयन अधिकारियों ने बताया कि अब तक विदेशी नस्ल के श्वानों को पालने के लिए नगर निगम से किसी ने पंजीयन नहीं कराया है। जबकि विशेषज्ञों का कहना है कि शहर में ऐसे 50 हजार से अधिक श्वान हैं। जिनको पालना प्रतिबंधित है। **केस-1** बीते 28 जनवरी 2024 को अरेरा कालोनी में एक व्यवसायी महिला घर के सामने टहल रही थी। इस दौरान उन्हें विदेशी नस्ल के पालतू श्वान ने काट लिया। जिससे उनके पैर में गंभीर जख्म हो गए। इसके बाद उन्होंने अस्पताल में ईलाज कराया और इसकी शिकायत हबीबगंज थाने में भी की।

केस-2 - बीते दो माह पहले अशोका गार्डन क्षेत्र में रविंदर सिंह अहलूवालिया ने राटविलर श्वान पाल रखा था। घर में कुछ कार्यक्रम था, इसलिए उसे छत पर बांध दिया। तीन घंटे बाद जब उसे लेने गए तो धूप से परेशान श्वान ने उन पर हमला कर दिया। हाथ और पैर में छह स्थानों पर काटा, हालांकि बाद में उन्होंने इसे किसी और को दे दिया।

संपादकीय

‘भारत रत्न’ में घुली ‘चुनावी चमक’ के नरेटिव का धुंधला सच

मोदी सरकार द्वारा हाल में देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से दो राजनीतिक विभूतियों को सम्मानित करने ऐलान के बाद एक नैरेटिव यह बनाने की कोशिश हो रही है कि इसके पीछे सम्मान और कृतज्ञता का भाव कम और सियासी एंगल ज्यादा है।

दरअसल, लोकसभा चुनाव से पहले शीर्ष पुरस्कारों की इस कवायद के पीछे नीयत भाजपा के पक्ष में वोटों को खींचना है। गौरतलब है कि बीते एक पखवाड़े में देश की दो अजीम सियासी हस्तियों समाजवादी नेता और बिहार के दो बार मुख्यमंत्री रहे कर्पूरी ठाकुर को पिछड़ी जातियों के सामाजिक राजनीतिक उत्थान के लिए मरणोपरांत तथा भाजपा के वरिष्ठतम नेता और पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी को राष्ट्रीय एकता, देश के सांस्कृतिक उत्थान व अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लिए भारत रत्न देने का ऐलान हुआ। घोषित तौर पर दोनों को यह पुरस्कार उनकी अन्यतम देश सेवा के लिए दिया गया है।‘भारत रत्न’ ऐसा सबसे बड़ा नागरिक सम्मान है, जो राष्ट्रपति सीधे प्रधानमंत्री की सिफारिश पर देते हैं। पहले यह कला, साहित्य, विज्ञान और लोकसेवा को लेकर ही दिए जाते थे। बाद में नियमों में संशोधन कर इसे अन्य क्षेत्रों के लिए विस्तारित कर दिया गया है। हालांकि देश का यह सबसे बड़ा नागरिक सम्मान कई बार सवालों के घेरे में रहा है। खासकर राजनेताओं को ये पुरस्कार देने के पीछे मंशा को लेकर। इस बार भी इस पुरस्कार की टाइमिंग और पात्र चयन के संदर्भ में यह नैरेटिव बनाने की कोशिश हुई कि कर्पूरी ठाकुर के रूप में पहली बार देश में किसी अति पिछड़ी जाति के व्यक्ति को सबसे बड़े सम्मान से नवाजा गया है, जबकि आडवाणी के बारे में कहा गया कि कभी हाशिए पर पड़ी भाजपा उन्हीं के भागीरथ प्रयासों से आज दिल्ली के तख्त पर काबिज है और देश के बहुसंख्यक हिंदुओं की आकांक्षा अयोध्या में राम मंदिर ने आकार ग्रहण किया है।जाहिर है कि इसमें निहित राजनीतिक संदेश यही है कि इन भारत रत्नों के जरिए मोदी सरकार ने बिहार सहित देश के अन्य राज्यों में भी अति पिछड़ी जातियों तथा आडवाणी के माध्यम से कट्टर हिंदुत्ववादी वोटों को साधने की कोशिश की है। माना जा रहा है कि ‘भारत रत्न’ दिए जाने की खुशी कहीं न कहीं वोटों में तब्दील हो सकती है।अपेक्षा और अनुमान के स्तर पर यह बात सही हो सकती है, लेकिन अगर भारत में पिछले पचास सालो में दिए गए भारत रत्न सम्मानों, इस सम्मान से सम्मानित होने वाली हस्तियों और इस सम्मान की घोषणा के सालभर के अंदर देश में होने वाले लोकसभा और विधानसभा चुनावों के नतीजों को परखें तो तस्वीर कुछ और ही नजर आती है। ज्यादातर मामलों में भारत रत्न घोषित करने वाली सत्तारूढ़ पार्टी को इसका चुनावी लाभ अपवाद स्वरूप ही मिला है। अगर वो चुनाव जीती भी है तो उसके कारण दूसरे हैं न कि किसी फलां जाति, धर्म, प्रदेश अथवा समुदाय के व्यक्ति को भारत रत्न देने के कारण। इसका सीधा अर्थ यह है कि भारत रत्न जैसा सर्वोच्च पुरस्कार इस सत्ताकांक्षी संकुचित सोच से कहीं ऊपर है और देश की जनता भी अमूमन उसे उसी रूप में लेती है, यह मानकर कि भारत रत्न जैसे राष्ट्रीय गौरव के मुद्दे को वोटों के क्षुद्र अंकगणित में नहीं तौला जाना चाहिए, भले ही सरकारें इस पुरस्कार के पीछे प्रतिभा के सम्मान के साथ वोटों की गोलबंदी का अघोषित तड़का लगाने की कोशिश करती महसूस हों। अगर हम पिछले पचास सालों में घोषित भारत रत्न पुरस्कारों और इस घोषणा के सन्निकट लोकसभा व विधानसभा चुनाव के नतीजों का विश्लेषण करें तो कई बातें साफ हो जाएंगी। इस तरह की पहली धुंधली कोशिश देश के पूर्व प्रधानमंत्री और सादगी की प्रतिमूर्ति कहे जाने वाले लाल बहादुर शास्त्री को मरणोपरांत भारत रत्न देने की मानी जा सकती है। तब देश में कांग्रेस की सरकार थी। शास्त्री जी का निधन 1966 में हुआ और 1965 के भारत- पाक युद्ध में भारत की जीत के चलते उन्हें भारत रत्न मरणोपरांत दिया गया। उसके अगले ही साल 1967 में देश में लोकसभा के चुनाव हुए। तब केंद्र में कांग्रेस सरकार थी और प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी थीं। उस चुनाव में कांग्रेस सत्ता में आने के लिए जैसे- तैसे बहुमत जुटा पाई। उसकी जीती हुई सीटों का आंकड़ा अब तक न्यूनतम था। यानी कांग्रेस को शास्त्रीजी को भारत रत्न देने का कोई विशेष राजनीतिक लाभ नहीं हुआ। बल्कि कांग्रेस उस उत्तर प्रदेश, जो शास्त्री जी का गृह प्रदेश भी था, में 1967 के विधानसभा चुनाव में बहुमत का आंकड़ा भी नहीं छू पाई। इसी तरह 1990 में तत्कालीन जनता दल सरकार और उसके प्रधानमंत्री वीपी सिंह ने संविधान निर्माता बाबा साहब अंबेडकर की जन्म शताब्दी पर उन्हें तथा महान स्वतंत्रता सेनानी सुभाष चंद्र बोस को मरणोपरांत भारत रत्न देने का ऐलान किया (सुभाष बाबू को मरणोपरांत भारत रत्न देने पर भी सवाल उठा था, क्योंकि उनकी मृत्यु को लेकर आज भी विवाद है)। लेकिन अगले ही साल 1991 में हुए आम चुनाव में वीपी सिंह की पार्टी सत्ता से बेदखल हो गई। ऐसा ही एक नैरेटिव 2013 में बनाने का प्रयास हुआ जब केंद्र में प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह के नेतृत्व कार्यरत यूपीए- 2 सरकार ने महान क्रिकेट खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर को भारत रत्न देने का ऐलान कर दिया। सचिन बहुत कम उम्र में यह नागरिक सम्मान पाने वाले व्यक्ति हैं। तब अघोषित तौर पर यह नैरेटिव बनाने की कोशिश हुई थी कि चूंकि सचिन देश के युवाओं के आइकन है, अत- उन्हें भारत रत्न देने से युवा आम चुनावों में बड़े पैमाने पर कांग्रेस को वोट देंगे। इस भारत रत्न सम्मान की घोषणा के अगले ही साल 2014 में आम चुनाव हुए और कांग्रेस आजादी के बाद अपने न्यूनतम स्कोर 44 पर जा पहुंची। दूसरी तरफ हिंदुत्व और राष्ट्रवाद का झंडा थामे भाजपा नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अपने दम पर ही सत्ता में आ गई। इतना ही नहीं जिस महाराष्ट्र से सचिन आते हैं, वहां भी कांग्रेस 2014 के विधानसभा चुनाव में सत्ता से बाहर हो गई। उत्तर भारत से उसका सफाया हो गया। मोदी सरकार ने 2015 में तत्कालीन राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी को भारत रत्न देने का ऐलान किया। माना गया कि यह उस पश्चिम बंगाल के लिए भी संदेश है, जहां भाजपा अपने पैर जमाने की कोशिश कर रही है। लेकिन 2016 के विधानसभा चुनाव में ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस फिर भारी बहुमत से सत्ता में आ गई और भाजपा महज 3 सीटें ही जीत पाई। अलबत्ता प्रणब दा जरूर इस सम्मान से गदगद दिखे। मोदी सरकार द्वारा 2019 में असम के महान संगीतकार डॉ- भूपेन हजारिका को भारत रत्न देने की घोषणा हुई। उसके दो साल बाद 2021 में हुए असम विधानसभा चुनाव में भाजपा बहुमत के साथ सत्ता में लौट आई। लेकिन उसके पीछे असली कारण वोटों का धार्मिक आधार पर ध्रुवीकरण और प्रतिदंद्वी कांग्रेस में अंतर्कलह होना ज्यादा था न कि भूपेन दा को भारत रत्न देना। इसी तरह 2019 में पहली बार एक राष्ट्रवादी नेता और समाजसेवी नानाजी देशमुख को भारत रत्न दिया गया। नानाजी महाराष्ट्र से थे। महाराष्ट्र में उसी साल विधानसभा चुनाव हुए, लेकिन चुनाव में सबसे ज्यादा सीटें जीतने के बाद भी भाजपा शिवसेना से झगड़ों के कारण सत्ता से बेदखल हो गई। जबकि लोकसभा चुनाव में उसकी सहयोगी रही शिवसेना ने कांग्रेस व राकांपा के साथ मिलकर सरकार बना ली। वैसे सवाल तो प्रधानमंत्री के पद पर रहते हुए पं.जवाहर लाल नेहरू और श्रीमती इंदिरा गांधी को भारत रत्न देने को लेकर भी उठे थे। लेकिन तत्कालीन राष्ट्रपतियों डॉ. राजेन्द्र प्रसाद और वी.वी.गिरी ने इसकी जिम्मेदारी लेते हुए कहा था कि यह ‘उनका’ निर्णय है। अब मोदी सरकार ने कर्पूरी ठाकुर और लालकृष्ण आडवाणी को भारत रत्न देने की घोषणा की है। आमतौर पर उसका स्वागत ही हुआ है। लेकिन इन ‘भारत रत्नों’ की चुनावी चमक भी दिखेगी, कहना मुश्किल है। कर्पूरी ठाकुर के संदर्भ में एक अटकल यह है कि चूंकि बिहार में 36 फीसदी अति पिछड़ा वर्ग (ईबीसी) हैं, इसलिए यह वर्ग एनडीए को समर्थन देगा। कर्पूरी ठाकुर भी नाई समाज से थे, जो ईबीसी में आता है। लेकिन यह वर्ग पहले से नीतीश कुमार यानी एनडीए के पक्ष में है। कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न देने से इसमें और ज्यादा वृद्धि की गुंजाइश कम ही है। राष्ट्रीय स्तर पर ईबीसी जनसंख्या का आंकड़ा उपलब्ध नहीं है, लेकिन अगर हम बिहार में ईबीसी आबादी के प्रतिशत को राष्ट्रीय संदर्भ में अप्लाई करें तो देश में इन जातियों की आबादी करीब 50 करोड़ होती है(ईबीसी से तात्पर्य वो पिछड़ी जातियां जिनकी वार्षिक आय 1 लाख रू. वार्षिक से कम है और किसी और श्रेणी में आरक्षित नहीं हैं)।

अर्बन ग्रीन स्पेस: जहां प्रकृति के बीच से गुजरता है खुदको जानने का रास्ता

शहर के बीच हरित स्थान प्रकृति की खली पाठशाला है। अगर इन स्थानों में समय गुज़ार कर हम प्रकृति की स्वचालित पद्वति को देखें कि किस तरह प्रकृति में कुछ भी व्यर्थ नहीं हैं। पेड़ के पत्ते नीचे गिरकर खाद बन जाते हैं। चिड़िया और भवरें एक जगह से दूसरी जगह बीज गिराकर एक नए फूल को जन्म देते हैं। बारिश की बूंदे जमीन को हरा-भरा बनाकर फिर वापस ओस बन जाती हैं। ऐसा लगता है यह कौन वास्तुकार है जो बिना रुके, बिना किसी प्रयास के सहजता से चलता रहता है।

प्रकृति को और नज़दीक से जानने के लिए मैं शहर में स्थित एक ‘ नेचर वॉक’ ग्रुप के साथ जुड़ गई। ‘नेचर वॉक’ ग्रुप हर शहर में प्रकृति प्रेमी लोगों के समूह होते हैं जो कि शहर के भीतर और शहर से बाहर हरित स्थानों (ग्रीन स्पसे से) का भ्रमण् करते हैं, उनका अवलोकन करते हैं और साथ में मिलकर प्रकृति और प्राकृतिक स्थानों को बचाने का सतत् प्रयास करते हैं।नेचर वॉक’ ग्रुप के साथ शहर में कंक्रीट जंगल के बीचों-बीच एक ऐसे ग्रीन स्पसे से परिचय हुआ, जिसकी कशिश ही अलग थी, उसकी सौंधी-सौंधी महक हर किसी को आकर्षित कर रही थी। उस स्थान का नाम था %सावित्री अर्बन फ़ूड फॉरेस्ट%। यहां पर न केवल पड़े-पौधे और घूमने की जगह थी, बल्कि हर फल के एक या दो वृक्ष लगे हुए थे।तने पर लटके हुए केले, अंगुर की बेल से बातें कर रहे थे। रात की रानी, मोगरा, रजनीगंधा, तलु सी, और लमेन ग्रास की महक, चिड़ियों, तितलियों और भवरों को आमंत्रण दे रही थी। इस अर्बन फ़ूड फॉरेस्ट में 90-100 तक अलग-अलग तरह के फल-फूल ,घास, वृक्ष सब्ज़ियां और बेल लगी हुई थी। वहां पर एक छोटी सी ‘आयर्वेदिक डिस्पसेंरी’ भी थी जिसमें तलुसी, अड़ूसी, शतावरी, ब्राह्मी, इन्सलिुलिन जैसै अन्य आयर्वेदिक प्लांट लोगों को बरबस अपनी ओर खींच रहे थे। पेड़ों के नीचे पालक, मेथी और सरसो की छोटी-छोटी क्यारियां बनी हुई थीं और साथ में टमाटर और भिंडी की फ़सलें झूमकर अपने होने का एहसास करा रहीं थी। पक्षियों के लिए पानी का छोटा सा पौंड था। उसमें तैरती हुई छोटी-छोटी मछलियां तलाब केऊपर लगे हुए शहततू के पेड़ के साथ अठखलियां कर रही थी। ये खाद्य वन आंखों के लिए एक ट्रस्ट, जीभ के लिए क्षुधा-शांति, और मन के लिए एक अच्छा सुकून था। हरित स्थान एक ‘ऑक्सीजन फैक्ट्री’ होते हैं जो शरीर और मन, दोनों में रक्त-संचार करते हैं। शहरी स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों के लिए हरित क्षेत्र फल, फूल और वृक्षों का ‘लाइव डेमो होते हैं। मिटटी को छूना और उस पर नंगे पांव चलना, अपने आप में ही एक थेरेपी है। इसके अलावा स्पेशल चिल्ड्रन, ‘दिव्यागं’ के लिए भी अर्बनर्ब ग्रीन स्पेस ही एक ऐसा स्थान होते हैं, जहां पर वे सामान्य बच्चों के साथ मिलजुल कर खेल सकते हैं, तथा उनके साथ मित्रता-पूर्ण व्यवहार सीख सकते हैं। इसके अलावा, हरित स्थान में बने ‘ससेंरी गार्डन’, ऑटिस्म और,ष्ठ।ष्ठ के बच्चों की पांचों इंद्रियों को जागृत करके उनके लिए वरदान साबित होते हैं। बुजुर्ग वर्गों के लिए हरित स्थान अथवा ‘अर्बन गार्डन’ उनकी उम्र के लोगो के लिए मिलने-जुलने का सबसे अच्छा साधन है। यहां पर इकट्ठा होकर, अपनी उम्र के लोगों के साथ मिल-जुलकर योग और प्राणायाम करना, मिलना-मिलाना, हंसना-हंसाना और गार्डन में अपना बर्थडे मनाना, उन्हें जीने की नई राह दिखाता है। अर्बन गार्डन्स के बाहर बैठे हुए सब्जी बचेने वाले एक तरफ छोटे-छोटे किसानों को रोजगार उपलब्ध कराते हैं तो वहीं दूसरी तरफ शहरी लोगों को ताज़ा फल और सब्ज़ियों का प्राप्त करने का स्त्रोत प्रधान करते हैं। हरित स्थान पर लगे हुए नीम, जामुन, बरगद, पीपल के वृक्ष न केवल हवा को शुद्ध करते हैं बल्कि हरा रंग खुशहाली का भी प्रतीक होता है, जोकि तनाव को कम करके, मसल्स को रिलैक्स करने में मदद करता है। इससे मांसपेशियों को सुकून मिलता है और तनाव का स्तर भी कम होता है, इसलिए मनोवैज्ञानिक तनाव और एंग्जायटी में गार्डन में चलने का सुझाव देते हैं, जिससे सांस हल्की होती है। हरा रंग शान्ति देता है, इसलिए हॉस्पिटल में हरे रंग के पर्दे लगाए जाते हैं। एक प्रसिद्ध अनसुंधान के अनुसार, दुनियाभर में ऐसे कुछ ‘ब्लूज़ोन्स’ पहचाने गए हैं जहां लोगों की आयु सौ वर्ष से अधिक होती है। ‘ब्लूज़ोन्स’ में रहने वाले लोगों की लम्बी उम्र के राज़ से जब पर्दा हटाया गया, तो पता चला की यह लोग अपना अधिक से अधिक समय, हरित स्थानों में एक साथ मिलकर व्यतीत करते हैं और ये हरित स्थान ही उनके स्वस्थ जीवन और दीर्घायु का राज़ होते हैं। आज इस एनवायरनमेंट एजुकेशन-डे पर हम सब ये प्रतिज्ञा करें कि हम सभी शहरों में अधिक से अधिक हरित क्षेत्र बनाने का प्रयास करेंगे। प्रकृति की इन धरोहर को सहज कर रखेंगे और आने वाली पीढ़ी को बड़े-बड़े घर और फ्लटै के बदले प्राकृतिक स्थान, प्राकृतिक ज्ञान और प्राकृतिक संस्कार देंगे, जिससे कि वो उद्यानों और हरित स्थानों पर मिलकर पुराने समय जैसे सामदुायिक जीवन जी सकें और इस धरती का ‘वसधुवै कुटुम्बकम’ का स्वप्न सार्थक कर सकें।

भारतीय लोकतंत्र: उल्लेखनीय रही अब तक की यात्रा, निचले तबके तक पहुंच रहा विकास

यह हमारे देश की उपलब्धि रही है कि हमारा लोकतंत्र न केवल बीते साढ़े सात दशकों में परिपक्व हुआ है, बल्कि समृद्ध भी हुआ है। जब हमने 1950 में अपने संविधान को अपनाया, तब दुनिया दूसरे विश्वयुद्ध और उपनिवेशवाद के परिणामों से निपट रही थी। उस समय देश गरीबी और औपनिवेशिक शोषण के गहरे घाव झेल रहा था। कई पर्यवेक्षक तो यहां तक कहते थे कि भारत में लोकतंत्र ज्यादा दिनों तक कायम नहीं रहेगा, लेकिन आज हमारा लोकतंत्र दुनिया का सबसे बड़ा और जीवंत लोकतंत्र है। सामाजिक-आर्थिक विकास और राजनीतिक शक्ति निचले तबके के 40 फीसदी लोगों सहित समाज के हर वर्ग में पहुंचा है। 1991 में हुए आर्थिक उदारीकरण के चलते आर्थिक विकास की गति तीव्र हुई है, जो वित्त वर्ष 1991 के 5.32 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर वित्त वर्ष 2024 में 296.57 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। यानी 33 वर्षों में 13 फीसदी की संचयी वार्षिक विकास दर! यह भारतीय इतिहास की एक अनूठी उपलब्धि है। इस दशक में आधारभूत ढांचे के विकास पर खर्च में भारी बढ़ोतरी, वित्तीय क्षेत्र में बचत एवं निवेश में वृद्धि, विनिर्माण एवं उत्पादन में वृद्धि और बहुत बड़ी आबादी का तकनीकी आधारित समावेश पहल विकास को गति दे रही है। भारत अब नॉमिनल जीडीपी के हिसाब से दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और अगले कुछ वर्षों में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का अनुमान है। हमारी उपलब्धियां जहां हमें अब तक की यात्रा के बारे में बताती हैं, वहीं कमियां आगे की चुनौतियों का पता देती हैं। हमारी सबसे बड़ी कमियों में से एक है न्याय की कमी, जो आबादी के एक बड़े हिस्से को देर से मिलता है। एक अनुमान के मुताबिक, ढाई लाख विचाराधीन कैदी जेलों में बंद हैं, जो अदालतों के फैसले का इंतजार कर रहे हैं और जिन आरोपों में वे जेल में बंद हैं, उनकी अधिकतम सजा का आधे से ज्यादा हिस्सा उन्होंने जेल में बिता दिया है। कई ऐसे भी मामले हैं, जिनमें निर्दोष लोग 15-20 वर्षों तक जेलों में बंद रहे और फिर सबूतों के अभाव में रिहा हो गए। न्याय प्रणाली द्वारा मुकदमा चलाने की धीमी गति के कारण भ्रष्ट राजनेता अपनी कपटपूर्ण गतिविधियों को जारी रखने में सक्षम हैं। ऐसे में न्याय क्षमता का निर्माण तेजी से होना चाहिए, खासकर निचली अदालतों में। भारत में प्रति दस लाख की आबादी पर मुश्किल से 21 जज हैं, जबकि 100 जज होने चाहिए। न्याय एक सभ्य समाज का आधार है, और भारत को तुरंत इस आधार का सशक्तीकरण सुनिश्चित करना चाहिए। समान नागरिक संहिता और इस तरह के अन्य कानून की कमी देश को धर्म और जाति में बांट रही है। 75 वर्षों से ज्यादा समय से आरक्षण यह सुनिश्चित करने का साधन रहा है कि सभी समूहों को समान अवसर मिले। हालांकि आरक्षण ने निश्चित रूप से बहिष्कृत समाजों की भागीदारी और समावेशन बढ़ाने का काम किया है, लेकिन निर्विवाद रूप से क्रीमी लेयर का उदय आरक्षण के लाभों पर हावी है। इसके अलावा, समान नागरिक संहिता का न होना, निश्चित रूप से समाज के कुछ समूहों पर अन्यायपूर्ण प्रभाव डाल रहा है, जैसे मुस्लिम महिलाएं, जो आबादी का आठ प्रतिशत हैं। संविधान में अंतर्निहित समानता के वादे में पूर्ण लैंगिक समानता भी शामिल होनी चाहिए। हिंदू महिलाओं को अपने पुरुष समकक्षों की तरह अधिकांश अधिकार प्राप्त हैं, जबकि अलग धार्मिक कानून की वजह से मुस्लिम महिलाओं को वह लाभ नहीं मिलता, जिसका फायदा अनुचित रूप से मुस्लिम पुरुष उठाते हैं। समान नागरिक संहिता, जो लिंग, धर्म और जाति की परवाह किए बिना सभी नागरिकों से समान व्यवहार करे, इस वक्त की जरूरत है। पुलिस सुधार भी एक और तात्कालिक जरूरत है। ऐसा लगता है कि पुलिस बल अब भी अपने औपनिवेशिक साम्राज्यवादी मूल्यों से मजबूती से जुड़े हुए हैं। पुलिस बर्बरता के कई मामले सामने आए हैं, मसलन, शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने वालों पर लाठीचार्ज या जेलों में विचाराधीन कैदियों की पिटाई। पुलिस सुधार, जो अनिवार्य रूप से नागरिकों की सुरक्षा और कानून के राज पर केंद्रित है, बेहद महत्वपूर्ण विषय है, और ऐसा करने पर समाज में पुलिस का सम्मान बढ़ेगा और यह हमारे समृद्ध लोकतंत्र के लिए महत्वपूर्ण होगा। वित्तीय क्षेत्र में मजबूत पूंजीकरण के साथ बैंकिंग प्रणाली अच्छी स्थिति में है और शेयर बाजार में खुदरा भागीदारी बढ़ रही है। प्रति व्यक्ति आय निरंतर बढ़ रही है और नागरिक आर्थिक विकास के कई नए रास्ते तलाश रहे हैं, लेकिन कर चोरी एवं इससे जुड़े विवाद भी बढ़ रहे हैं। कर विवादों की मात्रा वर्ष 2014 के 4.5 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर वर्ष 2023 में 12 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। कर अधिकारियों को पहले जरूरी सबूत इकट्ठा करने और तार्किक संदेह करने की आवश्यकता के बिना लोगों को परेशान करने के लिए काफी अधिकार दे दिए गए हैं। ऐसे में, उन्हें जवाबदेह बनाना चाहिए, और उनकी मनमानी शक्तियों पर अंकुश लगाने के लिए सुधार किए जाने चाहिए। सामाजिक स्तर पर देखें, तो शिक्षा के क्षेत्र में भारत काफी अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। लगभग सभी बच्चे स्कूल में हैं और अब शिक्षा की गुणवत्ता पर ध्यान दिए जाने की जरूरत है। 18 से 23 आयु वर्ग के 28 फीसदी युवा कॉलेजों में हैं और एक दशक में इनकी संख्या 50 फीसदी तक बढ़ाने के लिए पहल की जरूरत है। इसके अलावा, वरिष्ठ नागरिकों के लिए पर्याप्त सामाजिक सुरक्षा नेटवर्क स्थापित करने की भी जरूरत है। एक अनुमान के मुताबिक, 13 करोड़ भारतीय आज 60 वर्ष से ज्यादा उम्र के हैं और अनुमान है कि इनकी संख्या 2030 तक बढ़कर 20 करोड़ हो जाएगी। पेंशन व्यवस्था या स्वास्थ्य सेवा की कमी के कारण उनमें से कई गरीबी में जी रहे हैं। एक व्यापक सामाजिक सुरक्षा नेटवर्क उनके सम्मानपूर्ण जीवन के अधिकार को सुनिश्चित करेगा। अपने लोकतांत्रिक मूल्यों को बनाए रखने के लिए ये सभी बातें जरूरी हैं और इन्हें तेजी से लागू करने से देश वैश्विक आर्थिक व्यवस्था में आगे बढ़ पाएगा। कुल मिलाकर, दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले बड़े लोकतंत्र के रूप में हमारी अब तक की उपलब्धियां उल्लेखनीय रही हैं। हालांकि काफी समय से लंबित कई बड़े सुधारों के साथ भारत को अभी मीलों चलना है, लेकिन संतोष की बात है कि हम उम्मीद के साथ भविष्य की ओर देख सकते हैं।

समाज: बदल रहा है उच्च शिक्षा का माहौल, समावेशी पहल से उत्थान की उम्मीदें

एक वक्त था, जब विश्वविद्यालयों में ज्यादातर राजनीतिक नियुक्तियां होती थीं और दूसरे पदों पर नियुक्तियों में भी काफी पैसा चलता था। ऐसे में अजा/अजजा जैसे कमजोर वर्गों के लोगों का शैक्षिक पदों में समावेश बेहद मुश्किल था, क्योंकि उनके पास इतने आर्थिक संसाधन नहीं थे, कि वे नियुक्ति के सपने देख सकें। जाहिर है कि इन पदों पर कमजोर वर्गों का प्रतिनिधित्व भी तकरीबन शून्य ही हुआ करता था। अर्हता के मानक और व्यवस्था की नकारात्मक दृष्टि के कारण करोड़ों की आबादी वाले ये समुदाय एक फीसदी भी समावेश पाने से वंचित थे। किसी को पता भी नहीं चलता था, और बगैर किसी शैक्षिक मूल्यांकन के चोर दरवाजे से विश्वविद्यालय रूपी मंदिर में उच्च पदों पर नियुक्तियां होती थीं। नतीजा यह होता था कि कमजोर वर्गों के छात्र व छात्राएं काफी हतोत्साहित रहते थे और उच्च शिक्षा के प्रति काफी उदासीन भी। लेकिन अब तस्वीर बदल रही है। आज बाकायदा पदों के विज्ञापन छपते हैं। सर्च कमेटियां बैठती हैं। रिसर्च एडमिनिस्ट्रेटिव अनुभव और बौद्धिक विकास की संकल्पना को साकार करते सत्यनिष्ठ आचार्यों की उपलब्धियों से विश्वविद्यालयों के उच्चतम पदों की गरिमा में वृद्धि की संभावनाएं बढ़ रही हैं। अब राजनीतिक प्रतिबद्धता से मुक्त, अपने अकादमिक दायित्वों, विद्या-विकास के प्रति निष्ठा और सामूहिकता की भावना जैसे गुणों को नियुक्ति के वक्त तरजीह दी जाती है। उल्लेखनीय है कि शिक्षा, साहित्य और संस्कृति के क्षेत्र की समृद्धि राष्ट्र की सामाजिक समृद्धि की रीढ़ होती है। उन आचार्यों को प्रमुखता दी जा रही है, जिनके पास अपेक्षित उच्च स्तरीय उपाधियां हों, जिन्होंने उच्च स्तरीय रिसर्च किया हो, जिनकी कला-विज्ञान या मीडिया विषयक पुस्तकें विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रम में शामिल हों, जिनके अनुवाद देशी-विदेशी भाषाओं में हों और जिनके रचना कर्म को लेकर देश के अनेक विश्वविद्यालयों में दर्जनों एम.फिल., पीएच.डी. के रूप में शोध कार्य हो चुके हों।

एकादशी पर बाबा महाकाल ने दिए श्री राम स्वरूप में दर्शन, मस्तक पर सजा सूर्य और विशेष तिलक

विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में आज माघ कृष्ण पक्ष की षटतिला एकादशी मंगलवार को तड़के भस्म आरती के दौरान चार बजे मंदिर के पट खुले। इस दौरान पण्डे पुजारी ने गर्भगृह में स्थापित सभी भगवान की प्रतिमाओं का पूजन कर भगवान महाकाल का जलाभिषेक दूध, दही, घी, शक्कर फलों के रस से बने पंचामृत से किया। कपूर आरती के बाद भगवान के मस्तक पर मुकुट, सूर्य अर्पित कर उनका भगवान श्री राम के स्वरूप में शृंगार किया गया। शृंगार पूरा होने के बाद ज्योतिर्लिंग को कपड़े से ढांककर भस्म रमाई गई। भस्म अर्पित करने के पश्चात भगवान महाकाल को रजत मुकुट, रजत की मुण्डमाल और रुद्राक्ष की माला के साथ साथ सुगन्धित कमल से पुष्प से बनी माला भी अर्पित की गई। इसके बाद फल और मिष्ठान का भोग लगाया भस्म आरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे, जिन्होंने बाबा महाकाल का आशीर्वाद लिया। महानिर्वाणी अखाड़े की और से भगवान महाकाल को भस्म अर्पित की गई। मान्यता है कि भस्म अर्पित करने के बाद भगवान निराकार से साकार रूप में दर्शन देते हैं। इस दौरान हजारों श्रद्धालुओं ने बाबा महाकाल के दर्शनों का लाभ लिया।

बताया क्या है सच

तलाक की खबरों के बीच ऐश्वर्या राय के बारे में अभिषेक बच्चन ने की बात

मुंबई । बॉलीवुड एक्टर अभिषेक बच्चन सुर्खियों में बने हुए हैं। दरअसल, आज उनका 48वां जन्मदिन हैं और उनकी पत्नी ऐश्वर्या राय ने उनके लिए सोशल मीडिया पर बहुत ही प्यारा नोट लिखा है। ऐश्वर्या राय ने फैमिली फोटो पोस्ट करते हुए लिखा, 'आपको जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। भगवान आपको खुशी, प्यार, शांति और अच्छे स्वास्थ्य का आशीर्वाद दें। ऐसे ही चमकते रहो!' वहीं अभिषेक ने भी तलाक की खबरों के बीच ऐश्वर्या राय के बारे में बात की है। पढ़िए क्या बोले एक्टर।

एक्टर ने एक इंटरव्यू में कहा, अराध्या के लिए यह दिन बेहद खास होता है। लेकिन, मुझे अपना जन्मदिन काम करते हुए बिताना पसंद है। जन्मदिन मनाने का सबसे अच्छा तरीका उस दिन काम करना होता है। मैंने 1998 में अपना करियर शुरू किया था और तब से लेकर अब तक मैं इस दिन पर काम करता हूं। मुझे याद है मैं अपने 23वें जन्मदिन पर जेपी दत्ता साहब के साथ शूटिंग कर रहा था।

ऐश्वर्या को बताया शानदार मां

अभिषेक ने बेटी अराध्या के बारे में बात करते हुए कहा, हमारी जिंदगी का केंद्र अराध्या है। वह बहुत ही प्यारी बच्ची है। उसकी इतनी अच्छी परवरिश करने का सारा श्रेय ऐश्वर्या को जाता है। ऐश्वर्या बहुत अच्छी मां हैं। मुझे याद है जब मैं पिता बना था तब मेरा जिंदगी को देखने का पूरा नजरिया बदल गया था। जब आप एक बच्चे को इस दुनिया में लाते हो तब आपकी प्राथमिकताएं बदल जाती हैं।

जताई ऐश्वर्या के साथ दोबारा काम करने की इच्छा

अभिषेक ने इंटरव्यू में यह भी कहा कि वह ऐश्वर्या के साथ दोबारा काम करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, मुझे उनके साथ काम करने में बहुत मजा आता है। हमारे पास बहुत सारे फैंस के मेल आते हैं। वे हमसे कहते हैं कि वे हमें एक बार फिर साथ देखना चाहते हैं। मैं उन फैंस से कहना चाहूंगा कि हम खुद एक बार फिर साथ काम करना चाहते हैं। हमें खुशी होगी अगर हम साथ काम करेंगे।

संदीप रेड्डी वांगा ने 'एनिमल' की बुराई करने वाले जावेद अख्तर को दिया मुंह तोड़ जवाब

मुंबई । संदीप रेड्डी वांगा ने गीतकार जावेद अख्तर पर तंज कसा है। दरअसल, जावेद अख्तर ने हाल ही में 'एनिमल' की सफलता को खतरनाक बताया था। जावेद अख्तर ने कहा था, 'अगर किसी फिल्म में कोई पुरुष किसी महिला से अपना जूता चाटने के लिए कहता है या पुरुष कहता है कि महिला को थप्पड़ मारना ठीक हैज और वो फिल्म सुपरहिट साबित हो जाती है तो यह बहुत खतरनाक है। संदीप ने जावेद के इसी बयान का जवाब दिया है। आइए जानते हैं संदीप ने क्या कहा।

जावेद पर साधा निशाना

'एनिमल' के निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा ने सिद्धार्थ कन्नन को दिए इंटरव्यू में कहा,ये क्लियर है कि उन्होंने फिल्म नहीं देखी है। उनके कमेंट से यह साफ समझ आ रहा है कि उन्होंने पूरी फिल्म नहीं देखी है। अब अगर कोई बिना फिल्म देखे बात कर रहा है तो मैं उनके बारे में क्या कह सकता हूं? जाहिर तौर पर आपको बुरा लगता है। मैं ये बात सिर्फ उनके लिए ही नहीं बल्कि उन सबके लिए कहना चाहता हूं तो आर्ट पीस के ऊपर पत्थर फेंक रहे हैं कि वे पहले अपने आसपास हो रही चीजों को देखें?

फरहान अख्तर की 'मिर्जापुर' पर की बात

संदीप ने आगे कहा, जब उनके बेटे फरहान अख्तर 'मिर्जापुर' बना रहे थे तब उन्होंने यही बात फरहान को क्यों नहीं बताई। दुनिया भर की गाली मिर्जापुर में है। मैंने पूरा शो नहीं देखा है। जब इस शो को तेलुगू में डब किया गया था, अगर आप उसे देखेंगे तो आपको उल्टियां आने लगेंगी। वह अपने बेटे के काम पर नजर क्यों नहीं रख रहे हैं?

क्या है सच्चाई ?

कई महीनों से अपनी नकली मौत की तैयारी कर रही थीं पूनम पांडे

नई दिल्ली । एक्ट्रेस पूनम पांडे की सर्वाइकल कैंसर से मौत की झूठी खबर ने हर किसी को हिलाकर रख दिया है. हर किसी की जुबान पर यही सवाल है कि आखिर अपनी मौत को लेकर एक्ट्रेस कैसे इस तरह की पब्लिसिटी कर सकती है. हालांकि पूनम दलील दे रही है कि उन्होंने सर्वाइकल कैंसर के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए यह कदम उठाया. उन्हें पता था कि ऐसा करने से उन्हें लोगों से गालियां पड़ने वाली हैं. पर उन्होंने अपनी नहीं, बल्कि मासूम लोगों की सोची. अब इस मामले म पता चला है कि पूनम कई महीनों से अपनी नकली मौत की तैयारी कर रही थीं. पर ऐसा करने के पीछे उनका मकसद सर्वाइकल कैंसर के प्रति लोगों को सचेत करना नहीं था. शुक्रवार को एक्ट्रेस के इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर कर उनकी मौत की घोषणा की गई थी. 24 घंटे बाद उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया और कहा कि वो जिंदा हैं. उन्होंने फैंस को अपनी नई वेबसाइट www.poonam-pandeyisalive.com के बारे में भी बताया. पूनम का दावा है कि उन्होंने ये वेबसाइट #DeathToCervicalCancer के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए लॉन्च की है.

झूठ बोल रही हैं पूनम!

उन्होंने अपने सर्वाइकल कैंसर प्रोग्राम को फाइनेंस मिनिस्टर निर्मला सीतारमण के सर्वाइकल कैंसर टीकाकरण कार्यक्रम से भी जोड़ा. एक्ट्रेस ने कहा कि बजट में वित्त मंत्री ने भी फ्री सर्वाइकल कैंसर वैक्सीन की बात की है. यानी एक ओर बजट में फ्री सर्वाइकल कैंसर वैक्सीन की बात हुई, दूसरी ओर पूनम ने मौत की खबर के जरिए सर्वाइकल कैंसर की मुहिम शुरू कर दी. पर ऐसा नहीं है. डोमेन पंजीकरण रिकॉर्ड से पता चलता है कि पूनम की वेबसाइट 18 जुलाई 2023 को रजिस्टर की गई थी. जिससे पता चलता है कि वह महीनों से फेक डेथ की प्लानिंग में लगी हुई थीं. इसका सर्वाइकल कैंसर से कोई लेना-देना नहीं है. अमेरिका स्थित नॉन प्रॉफिट International Corporation for Assigned Names and Numbers द्वारा बनाए गए इंटरनेशनल के मुताबिक, पूनम पांडे की वेबसाइट पिछले साल जुलाई में रजिस्टर की गई थी. गौर करने वाली बात ये है कि 32 साल की पूनम पांडे ने फिल्म 'नशा' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था. पिछले 11 सालों में उन्होंने एक बार भी सोशल मीडिया पर किसी बीमारी का जिक्र नहीं किया है. ना ही उन्होंने किसी भी बीमारी को लेकर लोगों में जागरूकता फैलाई है. फिर सर्वाइकल कैंसर तो दूर की बात है.एक्ट्रेस के इंस्टाग्राम पर 1.3 मिलियन फॉलोअर्स हैं. पिछले दो दिन में लगभग उन्होंने एक लाख फॉलोअर्स जुटाए हैं.

दर्ज हुई शिकायत

एडवोकेट अली काशिफ खान देशमुख ने एक्ट्रेस पूनम पांडे के खिलाफ पुलिस में कम्प्लेंट दर्ज कराई है. सिर्फ इतना ही नहीं, एक्ट्रेस की मैनेजर निकिता शर्मा और एजेंसी Hautterfly के खिलाफ आईपीसी सेक्शन 417, 420, 120B, 34 के तहत स्नढ्ढक करने की मांग की है. सभी पर पब्लिक को चीट करने और देश के साथ सर्वाइकल कैंसर के नाम पर धोखाधड़ी करने का मामला दर्ज करने की मांग की गई है.

अभिषेक ने किया कुछ ऐसा देखकर भावुक हुए अमिताभ बच्चन

कहा- गर्व होता है तुम पर

नई दिल्ली । अमिताभ बच्चन सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं। फिल्मों के साथ वह वहां अपनी निजी जिंदगी के बारे में अक्सर बातें शेयर करते हैं। अब उन्होंने बेटे अभिषेक बच्चन के नाम एक भावुक पोस्ट लिखा है। उन्होंने यह पोस्ट तब लिखा जब 'घूमर' ने हाल ही में एक अवॉर्ड फंक्शन में 3 अवॉर्ड जीते। बिग बी ने फिल्म का एक पोस्टर भी शेयर किया जिसमें अभिषेक के साथ सैयामी खेर हैं। 'घूमर' बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप रही थी लेकिन फिल्म को क्रिटिक्स की काफी सराहना मिली।

अभिषेक ने हाथों का इमोजी पोस्ट किया।

लगातार दो बार देखी फिल्म 'घूमर' में अभिषेक, सैयामी, अंगद बेदी और शबाना आजमी ने लीड रोल किया। फिल्म के निर्देशक आर बाल्की हैं। यह पिछले साल 18 अगस्त को रिलीज हुई थी। अभिषेक ने फिल्म में कोच की भूमिका निभाई। इससे पहले 'घूमर' देखने के बाद अमिताभ बच्चन ने लिखा था, 'हां घूमर बैक टू बैक दो बार देख लीज् रविवार की दोपहर कोज् और फिर रात को फिर सेज् सिम्पली कमाल कीज् पहले फ्रेम से ही आंखों में पानी भर आया।'

अभिषेक के लिए अमिताभ का पोस्ट

अमिताभ ने लिखा है, 'मेरी प्रार्थनाएं, मेरी तारीफ और मेरा प्यार तुम्हारे लिए अभिषेकज् तुमने मुझे बहुत गौरवान्वित किया हैज् सबसे ज्यादा योग्यज् सिर्फ यह ही नहीं बल्कि और भी कईज् अतीत, वर्तमान और भविष्य में।' कमेंट में

पाइपलाइन में ये फिल्में

अमिताभ बच्चन की आने वाली फिल्म साइंस फिक्शन एक्शन थ्रिलर 'कल्कि 2898 एडी' है। फिल्म में दीपिका पादुकोण और प्रभास लीड रोल में है। इसके अलावा उनके पास कोर्टरूम ड्रामा 'सेक्शन 84' है। अभिषेक बच्चन के पास रेमो डिसूजा की एक फिल्म है। रिपोर्ट के मुताबिक इसका नाम 'डांसिंग डैड' है। रेमो पहले इस फिल्म को सलमान खान के साथ बनाना चाहते थे। इसके अलावा शूजित सरकार के साथ भी एक फिल्म को लेकर उनकी बातचीत चल रही थी।

कंगना ने एनिमल निर्देशक के तेवर बताए मर्दाना

बोलीं- मुझे कभी कोई रोल मत देना नहीं तो...

जाने-माने निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा एनिमल और कबीर सिंह जैसी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। उनकी आखिरी फिल्म रणबीर कपूर स्टारर एनिमल रिलीज हुई थी। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर सफलता के झंडे गाढ़ दिए थे। इस फिल्म को दर्शकों की तरफ से खूब सराहना मिली। हालांकि इस फिल्म में महिलाओं के किरदार को कमजोर दिखाने को लेकर इसे कड़ी आलोचनाओं का भी शिकार होना पड़ गया था। अभिनेत्री कंगना रणौत ने भी फिल्म की आलोचना की थी। अब इसे लेकर संदीप की प्रतिक्रिया सामने आई है। संदीप रेड्डी वांगा ने हाल ही में एक बातचीत के दौरान कंगना रणौत और उनके काम की सराहना की है। साथ ही कंगना के साथ काम करने की इछा जाहिर की। वांगा से बातचीत के दौरान सवाल किया गया कि क्या वह कंगना के साथ काम करना चाहते हैं। इसका जवाब देते हुए निर्देशक ने कहा, अगर मुझे मौका मिलेगा और मुझे लगेगा कि वह इसमें फिट बैठेंगी, तो मैं जाऊंगा और कहानी सुनाऊंगा। उन्होंने आगे कहा, मैंने उनकी बहुत सारी फिल्में देखी हैं। मुझे वास्तव में क्वीन और कई अन्य फिल्मों में उनका अभिनय प्रदर्शन पसंद आया। इसलिए अगर वह एनिमल के बारे में कोई नकारात्मक टिप्पणी दे रही हैं, तो मुझे कोई आपत्ति नहीं है। मुझे गुस्सा भी नहीं आता, क्योंकि मैंने उनका काम देखा है। मुझे बुरा नहीं लगता। एनिमल के निर्देशक की इस प्रतिक्रिया पर कंगना का जवाब सामने आया है। उन्होंने एक पोस्ट साझा कर लिखा, समीक्षा और आलोचना समान नहीं हैं, हर तरह की कला की समीक्षा और चर्चा की जानी चाहिए, यह एक सामान्य बात है। जिस तरह से संदीप जी ने मेरे रिव्यू पर मुस्कुराकर मेरे प्रति सम्मान जताया, उससे कहा जा सकता है कि वह मर्दाना फिल्में तो बनाते ही हैं, उनका एटीट्यूड भी मर्दाना है, धन्यवाद सर।

शादी से पहले बेबी शावर की तैयारी करने लगीं 'नागिन' फेम सुरभि चंदना, अगले महीने लेंगी सात फेरे

नई दिल्ली । 'नागिन' फेम सुरभि चंदना ने अपने लेटेस्ट पोस्ट से सभी को चौंका दिया। उनके फैन्स को तो पता है कि वह जल्द ही शादी करने वाली हैं लेकिन उन्होंने बेबी शावर की भी तैयारियां शुरू कर दी हैं। यह बात उन्होंने अपनी करीबी दोस्त नेहालक्ष्मी अय्यर की बैचलर पार्टी की तस्वीरों को शेयर करते हुए बताया। नेहालक्ष्मी को लोग 'इश्कबाज' शो सो जानते हैं। वह अपने ब्वॉयफ्रेंड रुद्रांश जोशिल के साथ 22 फरवरी को शादी करने जा रही हैं। उससे पहले उन्होंने एक बैचलर पार्टी का आयोजन किया। सुरभि ने पार्टी की कई तस्वीरें शेयर की हैं जिसमें वो गर्ल गैंग के साथ मस्ती कर रही हैं। इस मौके के लिए ड्रेस कोड पिंक कलर रखा गया। नेहा ने ब्लैक कलर की ड्रेस पहनी है। होने वाले दूल्हे रुद्रांश ने मैचिंग आउटफिट पहना है। सुरभि ने बताया कि 'इश्कबाज' की टीम के साथ किस कदर की बॉन्डिंग है। शो के खत्म होने के बाद भी उनकी दोस्ती बरकरार है। उन्होंने यह भी बताया कि नेहालक्ष्मी की शादी के बाद उनकी शादी है। **बेबी शावर के बारे में बताया** सुरभि लिखती हैं, 'हमारे ग्रुप की सेकेंड लास्ट शादी नेहाल्क्ष्मी की है जिसे सेलिब्रेट करने के लिए हैं। पूरी रात सिर्फ प्यार, क्रेजी हंसी, थोड़े आंसू, डांस से फ्लोर पर धमाल मचा दिया। सेलिब्रेशन के शॉट्स। एक दूसरे के लिए शुभकामनाएं। हमने इस ग्रुप को बनाए रखने की हमेशा कोशिश की। उस बॉन्ड के लिए जो मजबूत बना हुआ है। नोट- शादी के बाद एक दूसरे के बेबी शावर में शामिल होंगे। **मार्च में करेंगी शादी** सुरभि अपने लॉन्गटाइम ब्वॉयफ्रेंड संग सात फेरे लेंगी। दोनों 13 साल से एक दूसरे को डेट कर रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक मार्च 2024 में वह शादी करने वाली हैं।

ग्रैमी अवार्ड्स जीतने के बाद मशहूर रैपर किलर माइक गिरफ्तार

वाशिंगटन रैपर किलर माइक ने प्रतिष्ठित ग्रैमी अवार्ड्स में तीन पुरस्कार जीते हैं। लेकिन पुरस्कार जीतने के तुरंत बाद पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। इसका एक वीडियो वायरल हुआ है। रैपर किलर माइक को लॉस एंजिल्स पुलिस ने क्रिप्टो डॉट कॉम एरिना से बाहर निकाला गया। वायरल वीडियो में उनके हाथ पीछे की ओर बंधे नजर आ रहे हैं।

पुलिस प्रवक्ता अधिकारी लोपेज ने बताया कि माइक को सुबह 4 बजे गिरफ्तार किया गया। ग्रैमी अवार्ड्स में एक विवाद के बाद माइक को गिरफ्तार किया गया। हालांकि अभी तक उनकी गिरफ्तारी का कारण अभी भी स्पष्ट नहीं है, लेकिन के अनुसार किलर माइक के ऊपर गंभीर आरोप लगे हैं। माइक की टीम ने माइक की गिरफ्तारी के संबंध में ईमेल या संदेशों का जवाब नहीं दिया है।

48 वर्षीय किलर माइक को सर्वश्रेष्ठ रैप प्रदर्शन, रैप सॉन्ग और रैप एल्बम के लिए तीन ग्रैमी अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। उनका पहला पुरस्कार साइंटिस्ट्स एंड इंजीनियर्स के लिए सर्वश्रेष्ठ रैप प्रदर्शन के लिए था, जिसने सर्वश्रेष्ठ रैप गीत का भी पुरस्कार जीता। 'माइकल' उनका सर्वश्रेष्ठ रैप एल्बम था। किलर माइक को आखिरी ग्रैमी अवॉर्ड 2003 में द होल वर्ल्ड के लिए मिला था। पुरस्कार जीतने के बाद माइक ने कहा, जब मैं 20 साल का था, तो मैंने सोचा कि ड्रग डीलर बनना अच्छा होगा। 40 साल की उम्र में मैंने उन कामों और उनके पछतावे के साथ जीना शुरू कर दिया। मैंने 45 की उम्र में इसके बारे में रैप करना शुरू किया।

दर्शन जरीवाला ने 'सिने एंड टीवी आर्टिस्ट एसोसिएशन' उपाध्यक्ष पद से दिया इस्तीफा, महिला ने लगाया धोखाधड़ी का आरोप

मुम्बई । फिल्म इंडस्ट्री के दिग्गज अभिनेता दर्शन जरीवाला ने 'सिने एंड टीवी आर्टिस्ट एसोसिएशन' के उपाध्यक्ष और कार्यकारी सदस्य के पद से इस्तीफा) दे दिया है। जरीवाला पर कोलकाता की एक महिला ने रिश्ते में धोखाधड़ी का आरोप लगाया था, जिसके एक माह के बाद जरीवाला ने अपना इस्तीफा दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक जरीवाला ने महिला के खिलाफ मानहानी का मुकदमा दायर किया है।

महिला ने लगाए गंभीर आरोप

दरअसल, कोलकाता की एक महिला ने जरीवाला पर आरोप लगाया है कि उन्होंने गंधर्व विवाह के माध्यम से एक मंदिर में उससे शादी की इसके बाद महिला के गर्भवती होने पर उसे अपनाने से इंकार कर दिया। वहीं, इस मामले को लेकर 'सिने एंड टीवी आर्टिस्ट एसोसिएशन' के महासचिव अभिनेता अमित बहल ने कहा, यह विवाद 'सीआईएनटीएए' की प्रतिष्ठा को प्रभावित कर रहा था, इसलिए उन्होंने 'सिने एंड टीवी आर्टिस्ट एसोसिएशन' के सभी तीन पदों से इस्तीफा दे दिया है। हालांकि, वह महिला हमारी सदस्य नहीं है, लेकिन हमारे कई सहकर्मी सोशल मीडिया पर उसके मित्र हैं और उससे परेशान हो रहे थे'।

कोलकाता मे जरीवाला के खिलाफ एफआईआर

मामले में महिला ने रिश्ते में धोखाधड़ी के आरोप में जरीवाला के खिलाफ कोलकाता के एक पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। वहीं, रिपोर्ट्स के मुताबिक जरीवाला ने भी महिला के खिलाफ मानहानि का मामला दायर किया है। गौरतलब है कि दर्शन जरीवाला हिंदी और गुजराती फिल्मों के जाने-माने अभिनेता हैं। उन्होंने कई हिंदी वेब शो में भी अभिनय किया है। अपने दो दशक से अधिक के करियर में जरीवाला ने 90 से अधिक प्रोजेक्ट में काम किया। उनकी आखिरी गुजराती फिल्म कामथान दो दिन पहले ही शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है।

बॉलीवुड की अभिनेत्री अनुष्का-विराट दूसरी बार बनेंगे माता-पिता

मुंबई बॉलीवुड की अभिनेत्री अनुष्का शर्मा पिछले कुछ दिनों से मनोरंजन उद्योग से दूर हैं। अनुष्का इस समय अपनी पर्सनल लाइफ के कारण खबरों में हैं। अनुष्का शर्मा और क्रिकेटर विराट कोहली दूसरी बार माता-पिता बनने वाले हैं। पूर्व खिलाड़ी एबी डिविलियर्स ने खबर शेयर की है। अनुष्का शर्मा दूसरी बार मां बनने वाली हैं। इस बारे में अभी तक न तो एक्ट्रेस और न ही विराट कोहली ने कोई आधिकारिक जानकारी दी है लेकिन विराट के दोस्त और साउथ अफ्रीका के इंटरनेशनल क्रिकेटर एबी डिविलियर्स ने अनुष्का की प्रेग्नेंसी पर कमेंट किया है। साउथ अफ्रीका क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान एबी विलियर्स का एक वीडियो इस समय सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें डिविलियर्स ने कहा कि विराट कोहली इस समय अपने परिवार के साथ समय बिता रहे हैं। अनुष्का और विराट दूसरी बार माता-पिता बनने वाले हैं। विराट और एबी डिविलियर्स अच्छे दोस्त हैं। अनुष्का दूसरी बार प्रेग्नेंट हैं। तो फैंस की खुशी सातवें आसमान पर पहुंच गई है। विराट-अनुष्का के घर में दूसरी बार होगा बदलाव। अनुष्का-विराट 2017 में शादी के बंधन में बंधे। अनुष्का ने 2021 में वामिका को जन्म दिया। उन्होंने हाल ही में अपनी प्यारी बेटी का तीसरा जन्मदिन मनाया। अनुष्का की फिल्म चकदा एक्सप्रेस जल्द ही पर्दे पर आएगी। इस फिल्म में वह भारतीय महिला क्रिकेटर झूलन गोस्वामी की भूमिका में नजर आएंगी।

प्राइम वीडियो पर इस दिन लगेगा रोमांस का तड़का, अमेजन ने की लव स्टोरियां के प्रीमियर की घोषणा

वेब सीरीज लव स्टोरियां प्राइम वीडियो पर वैलेंटाइन के मौके पर रिलीज होगी। प्राइम वीडियो ने अपनी आगामी अमेजन ओरिजिनल सीरीज के प्रीमियर की आज मंगलवार, 6 फरवरी को घोषणा की है। यह सीरीज छह भागों में प्यार पर आधारित है। लव स्टोरियां अमेजन पर 14 फरवरी को रिलीज की जाएगी।

स्त्री 2 के बाद शाहिद कपूर के साथ नजर आएंगी श्रद्धा!, पौराणिक कथाओं से जुड़ी है अगली फिल्म

बॉलीवुड अभिनेत्री श्रद्धा कपूर ने साल 2013 की फिल्म आशिकी 2 से अपने बॉलीवुड सफर की शुरुआत की थी। श्रद्धा को इंडस्ट्री में 10 साल से अधिक समय हो गया है। उन्होंने इन वर्षों में हॉरर कॉमेडी से लेकर डांस ड्रामा तक हर तरह की फिल्मों में काम कर खुद को साबित किया है। श्रद्धा अपनी फिल्मों और निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में छाई रहती हैं। हाल ही में अभिनेत्री ने खुलासा किया, उनकी आगामी परियोजनाएं समय यात्रा और पौराणिक कथाओं पर आधारित होंगी। श्रद्धा कपूर ने अपने फैंस से बातचीत करते हुए कहा, तो देखो अभी स्त्री 2 आ रही है। साथ ही दो-तीन फिल्में अभी डेवलप हो रही हैं और दोनों बेहद ही दिलचस्प जोन की हैं। मैं चाहती हूं कि जो भी काम करूं वो मेरा सबसे अच्छा करूं। फिलहाल यादा कुछ नहीं बताना चाहूंगी, लेकिन, जो फिल्म है, उसकी कहानी पौराणिक क्षेत्र से है और दूसरी टाइम ट्रैवल से जुड़ी हुई है। उम्मीद है, आप सब उत्साहित होंगे और निश्चित रूप से स्त्री 2 आ रही है।

एक फैन ने कमेंट कर सवाल किया कि क्या उन्हें अश्वत्थामा पर आधारित शाहिद कपूर की फिल्म ऑफर हुई है?, वहीं एक अन्य ने लिखा, स्त्री 2 के लिए बहुत उत्साहित हूं। एक अन्य फैन ने लिखा, उनके लिए अछा है। वहीं, एक फैन ने अभिनेत्री की तारीफ करते हुए लिखा, आपकी आंखें बहुत अछी हैं और आवाज सबसे प्यारी है। अभिनेत्री की निजी जिंदगी के बारे में बात करें, तो इन दिनों वह अपनी शादी की खबर को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। दरअसल, श्रद्धा ने रविवार को अपनी कुछ तस्वीरें साझा कर कैप्शन में लिखा था, अछी लग रही हूं। शादी कर लूं? तभी से उनकी शादी की खबरें सुर्खियों में बनी हैं।

श्रद्धा के वर्कफ्रंट की बात करें तो इस साल श्रद्धा कपूर की कई फिल्में लाइन-अप हैं। इनमें कार्तिक आर्यन के साथ चंदू चैंपियन भी शामिल है, जिसकी जून में रिलीज होने की संभावना है। वहीं, सुपरहिट हॉरर कॉमेडी फिल्म स्त्री का सीक्वल भी इस साल रिलीज होने के लिए तैयार है। स्त्री 2 30 अगस्त को रिलीज होगी। इसके अलावा अनुराग बसु की भी एक फिल्म में श्रद्धा नजर आने वाली हैं।

गांव गांव हो रही है पैकारी, लाचार है आबकारी विभाग शराब ठेकेदारों ने कर रखी है सेटिंग

आबकारी विभाग से शराब ठेकेदारों की सेटिंग

मैहर, सम्पूर्ण जिले के शराब माफियाओं के द्वारा निर्धारित दुकानो से शराब की सीमित बिक्री और कम मुनाफा के चलते ठेकेदारो की ओर से ठेकेदारो ने अपने अपने क्षेत्रो पर पुराने ठेकेदारो के नक्शे कदम पर चलते हुये गांव-गांव अवैध पैकारियां चलाने वालो को उधार हाल और गांव तक शराब स्कूटी व अन्य गाडियों के माध्यम से बेचने की सुविधा दे दी है। हालांकि आबकारी विभाग और पुलिस को सब पता है कि किस किस गांव मे कौन कौन अवैध शराब बेचने के धंधे मे लगा है। बावजूद इसके उन पर नही बल्कि अन्य किसी के द्वारा अवैध बिक्री किये जाने पर कार्यवाही की जाती है दूसरी ओर थानावार लगभग प्रतिदिन आबकारी एक्ट के तहत अपराध कायम तो हो रहे हैं जिससे पुलिस के रिकार्ड मे कार्यवाही के आंकड़े तो पूरे हो रहे हैं, लेकिन वास्तविकता मे अवैध शराब बिक्री रोकने का मकसद पूरा नही हो पा रहा है।

मैहर नगर सहित आसपास के 80 फीसदी गांवों में शराब ठेकेदारो द्वारा अवैध रूप से बिना रोक-टोक शराब बेची जा रही है। शराब ठेकेदार ने बाकायदा अपने खास लोगों के घर तक शराब पहुंचाने के लिये स्कूटी व बोलेरो के माध्यमों से भिजवाता है। जब जिसकों जिह जगह पर शराब चाहिए, स्थानीय कुछ खास लोगों के द्वारा वहां तक पहुंचा दिया जाता है। गांवों की स्थिति यह है कि गांव वालों को पानी की तलाश में मीलों भटकना पड़ता है

पर मदिरा प्रेमी को गाँव में ही बिना मशक्कत किये शराब उपलब्ध हो जाती है। अवैध रूप से एक लाइसेंस पर गांव-गांव में संचालित की जा रही शराब बेचने वालो ने गांवों का माहौल पूरी तरह से दूषित कर दिया है वही बेरोकटोक शराब दुकान का शटर हमेशा खुला ही रहता है। वर्तमान शराब ठेकेदारो ने अपनी जड़ मजबूत करते हुये आबकारी विभाग को अपने चंगुल फांस लिया है जिससे उनके जाल मे नोट फंसने के बाद चुपचाप बैठकर तमाशा देखते रहते हैं। इसका कारण है कि आबकारी विभाग के सुस्त व लुंज पुंज होने की वजह से अब नये ठेकेदार बराबर सेटिंग बिठाने मे कामयाब हो गये हैं।

मिल रहा मोटा सुविधा शुल्क

गांवों में शराब के कारण दिनों दिन अपराधों में वृद्धि हो रही है, मैहर मे शराब के नशे मे कई अपराध भी हो जाते है या असामाजिक कृत्य हो जाते है भाटिया कम्पनी के इंद्रजीत सिंह गिरी बाबा द्वारा आसानी से गांव गांव तक शराब उपलब्ध कराकर भोले-भाले ग्रामीण को शराब की लत में जकड़ते जा रहे हैं। शायद ही कोई ऐसा गांव होगा जहां अवैध रूप से शराब नहीं बेची जा रही है। ऐसा नहीं कि पुलिस इस कारोबार से अंजान हो, बल्कि सारी जानकारियां होते हुए भी मोटे सुविधा शुल्क के एवज में इस कारोबार को अनदेखा कर रही है।

ठेकेदारों ने जमाई जड़ें

पुराने ठेकेदारो के नक्शे कदम पर चलते हुये गांव गांव अवैध पैकारियां चलाने वालो को शराब बेचने की हर सुविधा दी जाती है। हालांकि आबकारी व पुलिस को पता है कि किस गांव मे कौन अवैध शराब बिक्री मे लिप्त है बावजूद इसके उस पर नही बल्कि अन्य किसी के द्वारा अवैध बिक्री किये जाने पर कार्यवाही की जा रही है। दुकानो की ओर से गांव गांव अवैध पैकारियों की बाकायदे पुलिस व आबकारी के पास लिस्ट होती है। शराब ठेकेदार की पैकारियों के अलावा किसी और ने अवैध शराब बिक्री जैसे शुरू की गई तो उस पर पुलिस द्वारा कार्यवाही की जाती है।

बिना डर होता अवैध परिवहन

दारू कम्पनी भाटिया ग्रुप द्वारा गांव-गांव तक शराब पहुंचाने के लिए ठेकेदारो द्वारा पुलिस की सांठ-गांठ से जीपों से दिनदहाड़े परिवहन कराया जा रहा है। वहीं नगर के अवैध पैकारी करने वाले लोगों द्वारा बाईक से घर पंहुच सेवा प्रदाय की जा रही है। मैहर के बेरमा, कुटाई, पौड़ी, इटहरा, हिनाउता, इटमा, भारौली, कुसेडी, नकतरा, डंडी, उदयपुर, करैया, महराजनगर, अंधरा टोला, न्यू अरकंदी, हरदुआ, डेल्हा, भदनपुर, सरलानगर, बदेरा, लटागाव, जुड़ मानी, सारंग, बरा, सोनवरी, मड़ई, धनवाही, ककरा, भटूरा, साढ़ेरा, आजमाई न , सैलाईया, रिवारा, पहाड़ी, वंशीपुर, अमिलिया, नरौरा, तिलौरा, भेडा, गोबरी , चपना, कांसा, नादन, पता नहीं कितने गांवों का नाम बताया जाए अगर ये कहे कि पूरा का पूरा मैहर ही नशे की चपेट में है तो कोई अतिशयोक्ति न होगी शराब बेचने वाले एजेन्टों को शराब कंपनी के लोगों द्वारा जीपों के माध्यम से घर पर ही माल पहुंचाया जा रहा है व किराना दुकानों व पान ठेलों में बिक्री की जा रही है। इसके अलावा ढाबों में भी दारू परोसी जा रही है।

फसाद की जड़ बन रही शराब

पुलिस की मिलीभगत से गांवों में चल रही अवैध शराब की बिक्री से कस्बों एवं छोटे-छोटे गांवों का माहौल दूषित हो रहा है। अवैध रूप से बेची जा रही शराब फसाद, लड़ाई, झगड़ों की जड़ बन चुकी है वही अवैध पैकारियों के चलते नशे का कारोबार बढ़ रहा है। युवाओ सहित बड़े बुजुर्ग तक नशे की लत मे पड़कर घरो मे कलहपूर्ण स्थिति निर्मित कर रहे हैं।

दिखावे के लिए अभियान

विभाग के उच्चाधिकारियों द्वारा जब भी अवैध शराब की बिक्री पर लगाम लगाने के लिए अभियान चलाया जाता है तो स्थानीय पुलिस व आबकारी विभाग के बीट प्रभारी द्वारा खाना पूर्ति के लिए फर्जी तरीके से छोटे-मोटे प्रकरण बना दिए जाते हैं। शराब माफियाओं तक पुलिस के हाथ नहीं पहुंच पाते हैं।

आधी रात को भी मिलती है शराब

दुकानदार टाइम के बाद अलग कमरों में शराब बेच रहे हैं। इतना ही नहीं, बेबाकी से बोल भी रहे हैं कि गोरखधंधे की मोटी कमाई का हिस्सा अधिकारियों तक पहुंचाया जा रहा है। कई ढाबों और होटलों में आधी रात को आसानी से शराब मिल रही है। बिक्री का समय तय होने के बावजूद नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही है। प्रदेश भर में शराब नीति लागू करने वाले मुख्यालय पर ही ये हाल है। सरकार को राजस्व हानि हो रही है तो शराब माफिया को भी शह मिल रही है। शराब पिलाने होटलों में बनाए स्पेशल कमरे, देर रात परोसी जाती है। देर रात शराब के शौकीनों को भरोसा दिलाया जाता है कि पुलिस कार्रवाई नहीं होगी।

मैहर में कब तक चलेगी हुकुमचंद जैन की हुकूमत ओवरलोड

ट्रैकों का आतंक फैलाने वाले सरगना पर कब होगी कार्यवाही

मैहर, मामला मैहर का है जहां पर मैहर में ओवरलोड ट्रैकों का एक सरगना जो की अवैध उत्खनन करके भारी मात्रा पर ओवरलोड ट्रैकों का आवागमन मैहर के सीमेंट प्लांट तक करता है आखिर कब इस सरगना पर कार्यवाही होगी मैहर के भटूरा में संचालित होने वाली हुकुमचंद जैन की खदान और वहां से आने वाले ओवरलोड ट्रैकों पर आखिर मैहर कलेक्टर सहित जिम्मेदारों के द्वारा कब करवाई की जाएगी यह एक बड़ा सवाल है हाल ही पर लगातार ओवरलोड ट्रैकों से गिरने वाले पत्थरों की वजह से आए दिन सड़क हादसे होते हैं और जिसका शिकार सोनवारी के दो युवक हो चुके हैं जिनकी जान भी जा चुकी है लेकिन इसके बावजूद भी मैहर प्रशासन आखिर किस बड़े अनहोनी के इंतजार पर हैं यह एक बड़ा सवाल है देखना होगा कि मैहर

प्रशासन के द्वारा कब तक हुकुमचंद जैन की हुकूमत पर लगाम लगाने का काम किया जाएगा हुकुमचंद जैन के द्वारा भटूरा से लेकर केजेएस तक अपनी लंबी पकड़ बनाई गई है जहां पर धड़ल्ले के साथ खदान से निकलने वाले पत्थर को ओवरलोड करके केजेएस तक पहुंचाने का काम किया जा रहा है और इसी बीच में आने वाले दर्जनों गांव के लोगों को हर रहते हुए अपना कारोबार और साम्राज्य फैलाने का काम हुकुमचंद जैन के द्वारा किया जा रहा है आखिर क्या वजह है कि जिम्मेदारों के द्वारा हुकुमचंद चयन के ऊपर कार्यवाही नहीं की जा रही है यह एक बड़ा विषय अब देखना होगा कि आखिर ओवरलोड ट्रैकों पर हुकुमचंद चयन की हुकूमत चलती है या फिर मैहर जिला प्रशासन के द्वारा कार्यवाही की जाती है.

नशे तस्कर को अमलाई पुलिस ने गिरफ्तार

कोरेक्स की 150 से अधिक शीशी करी जप्त

शहड़ोल, नशा आज वैश्विक समस्या बन गई है। शहड़ोल जिले में युवा वर्ग नशे के जद में है । नशे को बढ़ावा देने वाला कोई और नही बल्कि युवा ही है। ऐसे ही नशे का कारोबार करने वाले तीन नशे तस्कर को अमलाई पुलिस ने गिरफ्तार किया है । जिनके पास से नशे के रूप में उपयोग करने वाली कोरेक्स की 150 से अधिक शीशी जप्त कर हष्ठक्क के तहत कार्यवाही ली है। पकड़े गए नशा तस्कर इलाहाबाद से नशे की सामग्री लेकर ट्रेन में सवार होकर शहड़ोल लेके आ रहे थे, जिन्हें अमलाई पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। शहडोल जिले की अमलाई पुलिस ने धनपुरी थाना क्षेत्र के रहने वाले मो जफर उर्फ राजा बाबू, शिवम तोमर इर्फ़ गजनी व अरमान अली को पकड़ा है। जिनके पास से दो बैग में 150 नग कोरेक्स जप्त कर NDPS के तहत कार्यवाही की है। पकड़े गए नशे के तस्कर इलाहाब से दो बैग में नशे की सामग्री ट्रेन में सवार होकर शहड़ोल जिले के अमलाई स्टेशन लेकर उतरे, जिन्हें मुखबिर की सूचना पर अमलाई पुलिस ने घेराबंदी कर अमराडण्डी तिराहे से गिरफ्तार किया है। पकड़े गए तस्कर इस नशे की सामग्री को जिले के अमलाई, बुढार, धनपुरी में सप्लाई करने की फिराक में थे.

खेल इंसान के शरीर को स्वस्थ रखने में काफी सहयोगी होता है - टी.आई. कुशवाह

मैहर, नागौद ग्राम पंचायत सेमरवारा में अवंती स्पोर्ट क्लब के तत्वाधान में 1857 क्रांति की अमर शहीद वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी क्रिकेट कप और समाजसेवी जनसंघी स्व. दादूभाई लोधी स्मृति संत प्रवर स्वामी ब्रम्हानंद फुटबाल कप 2024 का आयोजन हो रहा है। आज आयोजित हुए खेलों में मुख्यअतिथि श्री बलराम सिंह कुशवाह थाना प्रभारी मझगंवा एवं विशिष्ट अतिथि श्री शैलेन्द्र सिंह पटेल थाना प्रभारी सिंहपुर, श्री अमृतलाल सहायक उपनिरीक्षक सिंहपुर, सुभाष सिंह, राजीव सिंह, श्री हरिशंकर व्यास आमा जिला कार्यसमिति भाजपा, श्री सुमंत दीक्षित प्रबंधक सेसस सेमरवारा , श्री आशीष रैकवार सेसस बारापत्थर एवं धर्मेंद्र रजक हिलौंधा पत्रकार रहे।

साथ ही जयगुरुदेव संगत से अतिथि के रूप में रामविश्वास लोधी उर्दना, मोहनलाल बरकछी , राजाभैया आमा, पन्नालाल, रामसेवक हड़हा, अशोक कक्का, जमुना प्रसाद, राजेंद्र छोट बेटा जैतवारा, दरबारी लाल कोटा, बड़कू लोधी चकरा, अनुज कुमार संगत अध्यक्ष सेमरवारा भी उपस्थित रहे। आज हुए खेलों में

बंडी ने आमा को 14 रन से हराया तथा फुटबाल के खेल में सेमरवारा ने उर्दना को 3-0 से एवं हड़हा ने दुबारी को पेनल्टी द्वारा 2-1 से पराजित किया, जिसमें एम्पायर जितेंद्र लोधी हड़हा, अरुण लोधी , असलेंद्र लोधी, कमेंट्री योगेश योगी किसान ने की। कार्यक्रम में सभी खिलाड़ियों और जनता को संबोधित करते हुए मुख्यअतिथि श्री बलराम सिंह कुशवाह ने कहा कि खेल से भले ही कोई देश प्रदेश स्तर का खिलाड़ी न बन पाए, लेकिन यह तय की वह अच्छा इंसान जरूर बनता है। खिलाड़ी व्यक्ति हमेशा नशे से दूर रहता है इस तरह वह अच्छे समाज की परिकल्पना में सहायक सिद्ध होता है। कार्यक्रम में आभार प्रदर्शन कमेटी अध्यक्ष अरुण कुमार लोधी एवं जगत राज, तीरथप्रसाद लोधी ने किया।

दिशा के निर्देशों की विपरीत दिशा में प्रशासन

90% पूर्ण हुवे अधूरे बस स्टैंड का काम ठेकेदार ने भुगतान के अभाव में किया बंद

90 प्रतिशत निर्माण के बाद भी अधूरा पड़ा बस्स्सटेंड

शाजापुर, क्षेत्रीय सांसद महेंद्र सिंह सोलंकी ने गत 3 फरवरी को विधायक श्री अरुण भीमावद सहित जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति मे जिला स्तरीय विकास समन्वयक एवं अनुश्रवण समिति (दिशा) की बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारीयों को निर्देशित किया था की 80त्न से अधिक पूर्णता वाले कार्यों को मार्च तक पूरा कराया जाए। उन्हें निर्देश दिए हुए अभी 2 दिन भी नहीं बीते थे कि 5 फरवरी से प्रशासनिक अधिकारियों ने सांसद के निर्देशों से विपरीत याने की दिशा की उलटी दिशा में जाते हुए लगभग 90% पूर्ण हो चुके शाजापुर के बस स्टैंड का निर्माण कार्य बंद कर दिया है।जहां एक और जनप्रतिनिधि क्षेत्र के विकास के लिए अथक प्रयासरत रहते हैं। और आगामी लोकसभा चुनाव को दृष्टिगत रखते हुए अधिक से अधिक विकास कार्यों को पूर्ण कर जनता को समर्पित करना चाहते हैं वही प्रशासनिक अधिकारियों की लापरवाही के

कारण कई अधूरे बड़े कार्य पूर्णता की ओर जाने की बजाय मझधार में लटके हुए हैं। जिसकी सुध लेने की किसी को फुर्सत नहीं है। प्रशासनिक अधिकारी जहां एक और लगातार मीटिंगो में अपनी व्यस्तता बनाए हुए हैं कहने को तो ये सब दौड़ भाग रहे हैं। और दिन-रात काम करते दिखाई दे रहे हैं लेकिन जमीन पर हकीकत कुछ और ही नजर आ रही है।

भुगतान के अभाव में ठेकेदार ने किये हाथ ऊंचे: शाजापुर बस स्टैंड का काम लगभग 90% पूर्ण हो चुका है लेकिन नगर पालिका ने पिछले 6 माह से ठेकेदार को भुगतान नहीं किया है।इस कारण से ठेकेदार ने अब आगे कार्य करने से इनकार करते हुए कहां है कि अब मेरे पास लेबर को देने के लिए भी पेमेंट नहीं बचा है। इसलिए अब मैं और आगे कार्य नहीं कर सकता हूं। नगर पालिका प्रशासन को बार-बार रिमाइंडर करने के बावजूद भी मेरा भुगतान नहीं किया गया है और अब मैं कार्य करने में असमर्थ हूं।

व्यापारियों के 18 लाख भी नहीं दिए नपा ने: नगर पालिका प्रशासन ने यूं तो व्यापारियों से 18 माह में दुकान तैयार करके देने का एग्रीमेंट किया था जो जून 2023 में अवधि समाप्त होने के 7 माह बाद भी आज तक अपूर्ण है। और नपा दुकान व्यापारियों को नहीं दे सकी है।व्यापारियों के द्वारा लागत मूल्य की एक किस्त पूर्व में जमा की जा चुकी थी और दूसरी किस्त भी अब नगर पालिका ने दो माह में दुकान देने के आश्वासन का झुनझुना पकड़ा कर वसूल लिए हैं। लेकिन व्यापारी फिर भी खाली हाथ ही बैठे है और अपने आप को ठगा महसूस कर रहे हैं।जिन्होंने भुगतान कर दिया है उन्हें अभी तक दुकान प्राप्त नहीं हुई है यही नहीं नगरपालिका ने उनसे प्राप्त राशि भीआज तक ठेकेदार को भुगतान नहीं की है।

व्यापारियों एवं क्षेत्र वासियों को करना पड़ रहा है भारी परेशानियों का सामना: बस स्टैंड के भीतर व्यापार करने वाले दुकानदारों पर आश्रित 150 के लगभग परिवारों पर रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। साथ ही क्षेत्र वासियों को भी बस स्टैंड ना होने के कारण भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। छोटी सी जगह में जहां अभी बस स्टैंड का संचालन किया जा रहा है जहां पर लोगो को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। और बस ऑपरेटर एवं यात्री अभी बस स्टैंड ना होने की वजह से परेशानी उठा रहे हैं।

करोड़ों रुपए खर्च कर फ्लैक्स लगाने का ठिया किया तैयार: बस स्टैंड की निर्माणाधीन बिल्डिंग चाहे कुछ काम नहीं आ रही है पर यह नेताओं के फ्लेक्स की शोभा बढ़ाने के साथ-साथ ही शहर के कर्णधारों के प्रचार का माध्यम बनी हुई है साथ ही यहां से सरकारी योजनाओं सहित विभिन्न प्रचार बखूबी जारी है.

जिले में 59 परीक्षा केंद्र और 4 रिजर्व केंद्र भी बनाए

बोर्ड परीक्षा आज से, हाईस्कूल एवं हासे में शामिल होंगे 23164 विद्यार्थी

शाजापुर, जिले में 5 फरवरी से प्रारंभ हो रही बोर्ड परीक्षा को लेकर शिक्षा विभाग ने समस्त तैयारियां पूरी की हैं। इसके लिए 59 केंद्र बनाए गए हैं। इसके साथ ही 4 रिजर्व केंद्र भी बनाए हैं। इन पर हाईस्कूल और हायर सेकंडरी के मिलाकर 23164 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। जिला शिक्षा अधिकारी विवेक दुबे ने बताया जिले में हाईस्कूल एवं हायर सेकंडरी की परीक्षा में नियमित व स्वाध्यायी रूप से कुल 23164 परीक्षार्थी शामिल होंगे। हाईस्कूल परीक्षा में 12462 नियमित एवं 1235 स्वाध्यायी व हासे में 8257 नियमित एवं 1210 स्वाध्यायी परीक्षा देंगे। इस प्रकार कुल 23 हजार 164 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल होंगे।

केंद्र पर मोबाइल लेकर नहीं पहुंचे

परीक्षा के लिए प्रश्न-पत्र परिवहन एवं परीक्षा की व्यवस्था को लेकर कलेक्टर ऋजु बाफना ने परीक्षा केंद्र अध्यक्ष एवं सहायक केंद्र अध्यक्षों की बैठक कर निर्देश दिए। उन्होंने कहा केंद्र पर कोई भी व्यक्ति या शासकीय सेवक मोबाइल फोन लेकर नहीं पहुंचे और न ही इस्तेमाल करें। कलेक्टर ने कहा कि परीक्षा के लिए प्राप्त हुए निर्देशों के प्रत्येक बिंदु का पालन सुनिश्चित करें।

प्रश्न-पत्र लीक नहीं होना चाहिए- कलेक्टर

बैठक में निर्देश दिए गए कि कलेक्टर प्रतिनिधि एप्प के माध्यम से उपस्थिति सुनिश्चित कराएं। कलेक्टर ने कहा कि पेपर लीक नहीं होना चाहिए। जो भी इस तरह का प्रयास करेगा, उसके विरुद्ध सख्त कार्रवाई होगी। केंद्रों पर अनाधिकृत व्यक्तियों के प्रवेश पर प्रतिबंध रखें। परीक्षा के निरीक्षण के लिए आने वाले उडनदस्ता दल भी मोबाइल केंद्र के बाहर रखें। कलेक्टर ने प्रतिनिधि के रूप में संयुक्त कलेक्टर अखिल राठौर को नियुक्त किया है।

समय-सीमा प्रकरणों की बैठक में निर्देश

पुराने अविवादित राजस्व प्रकरण एक सप्ताह के भीतर निराकृत करें: कलेक्टर

सतना सोमवार को समय-सीमा प्रकरणों की बैठक में कलेक्टर अनुराग वर्मा ने राजस्व महाअभियान की गतिविधियों की समीक्षा करते हुए आरसीएमएस पोर्टल पर दर्ज पुराने सभी अविवादित नामांतरण, सीमांकन, बटवारा के प्रकरण एक सप्ताह में निराकृत कर लेने के निर्देश दिये हैं। प्रात: 10:30 बजे शुरू हुई टीएल की बैठक में विलंब से आने वाले सभी विभागीय अधिकारियों का एक दिवस का वेतन काटने के निर्देश जिला कोषालय अधिकारी को दिये गये। इस मौके पर सीईओ जिला पंचायत डॉ परीक्षित झाड़े, अपर कलेक्टर ऋषि पवार, एसडीएम नीरज खरे, एसके गुप्ता, आरएन खरे, एपी द्विवेदी, सुधीर बैक, जितेंद्र वर्मा, अधीक्षण यंत्री विद्युत जीडी त्रिपाठी सहित विभाग प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे। राजस्व अभियान की समीक्षा में कलेक्टर ने कहा कि आरसीएमएस पर अभी 3308 कुल राजस्व प्रकरण दर्ज हुये हैं। जिनमें 642 निराकृत और 2666 शेष लंबित हैं। राजस्व महाअभियान के दौरान एक सप्ताह में पुराने सभी आरसीएमएस के अविवादित राजस्व प्रकरणों का निराकरण सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने अविवादित प्रकरणों की एसडीएमवार समीक्षा की।

सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा के दौरान पाया गया कि मैहर जिले के प्रकरण अलग होने की बावजूद इस सप्ताह 14745 प्रकरण अभी भी लंबित हैं।

जिनमें सर्वाधिक 3013 राजस्व, 1331 पीएचई, 1275 ऊर्जा, 1097 महिला बाल विकास और 682 प्रकरण जिला अस्पताल सिविल सर्जन के लंबित हैं। कलेक्टर ने कहा कि सम्मिलित जिले में आमतौर पर 10-12 हजार की संख्या में रहने वाली लंबित शिकायतें केवल एक जिले में 14 हजार तक पहुंचना चिंता का विषय है। सभी विभाग प्रमुख और अधिकारी सीएम हेल्पलाइन को प्राथमिकता और गंभीरता से लें। धान उपार्जन और खाद्यान्न वितरण की समीक्षा के दौरान सीएम हेल्पलाइन में 417 शिकायतें धान खरीदी की लंबित रहने, समय पर खाद्यान्न नहीं पहुंचने और खरीदी केंद्रों से धान का परिवहन नहीं होने पर कलेक्टर ने जिला प्रबंधक नान को निलंबन का नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। सीएम हेल्पलाइन में 11746 शिकायतें 50 दिवस से ऊपर की लंबित पाई गई। कलेक्टर ने कहा कि सतना जिले अभी 'डी' कैटेगरी के साथ 12वें स्थान पर है। सभी विभाग इसमें सुधार लायें। सतना-बाणसागर ग्रामीण समूह नल जल योजना फेज-1 की समीक्षा में बताया गया कि सतना जिले में रामपुर बघेलान विकासखंड में 25 हजार नल कनेक्शन के विरुद्ध 14320 और उचेहरा में 10148 नल कनेक्शन हुये हैं। कलेक्टर ने सतना-बाणसागर ग्रामीण समूह फेज-2 का इंटेकवेल निर्माण कार्य अभी तक प्रारंभ नहीं किये जाने पर अप्रसन्नता जताई। उन्होंने कहा कि फेज वन में जिन कमियों के कारण विलंब हुआ है। उन्हें द्वितीय फेज में अभी से दूर कर लें। धान उपार्जन की समीक्षा में बताया गया की 4500 एमटी धान अभी परिवहन, भंडारण के लिए खरीदी केंद्रों में शेष है। कलेक्टर ने अधिकारियों से सभी शेष परिवहन वाले खरीदी केंद्रों का निरीक्षण सत्यापन करने के निर्देश दिये हैं। ताकि धान खरीदी केंद्रों में अंतिम समय में स्टॉक में गड़बड़ी नहीं की जा सके। बैठक में बताया गया कि मैहर और सतना जिले के कुल 144 धान खरीदी केन्द्रों में से 22 केंद्र शेष परिवहन वाले हैं। जिनमें 8 केंद्र मैहर के हैं। कलेक्टर ने सभी एसडीएम को आज ही खरीदी केंद्रों में उपलब्ध मात्रा का भौतिक सत्यापन कराने के निर्देश दिये हैं। खाद्यान्न उठाव एवं वितरण की समीक्षा में उचेहरा विकासखंड में राशन दुकानों तक 64 प्रतिशत ही जनवरी का खाद्यान्न पहुंचने पर कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी को नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। बताया गया कि सभी दुकानों में 15 फरवरी तक खाद्यान्न पहुंचा दिया जायेगा। राशन दुकानों के उपभोक्ताओं की मोबाइल सीडिंग में अच्छा काम होने पर कलेक्टर ने प्रसन्नता व्यक्त की। वहीं केवाईसी में 61 प्रतिशत काम होने पर गति बढ़ाने के निर्देश दिये। लोकसभा चुनाव के लिए कर्मचारी डाटा फीडिंग कार्य की जानकारी लेते हुये कलेक्टर ने कहा कि कार्यालय प्रमुख डाटा फीडिंग में सावधानी और गंभीरता बरते। आगामी चुनाव ड्यूटी में दिव्यांग अथवा सेवानिवृत्त कर्मचारियों की ड्यूटी लगी तो संबंधित कार्यालय प्रमुखों को जिम्मेदार मानकर कार्यवाही की जायेगी। तेलंगाना प्रांत से सतना जिले की 15 बंधक श्रमिकों की सकुशल वापसी के लिए श्रम विभाग द्वारा की गई सक्रियता पूर्वक कार्यवाही की कलेक्टर ने सराहना की। बरगी नहर और एनवीडीए के कार्य हेतु आवश्यक भू-अर्जन की कार्यवाही शीघ्रतापूर्वक करने और रकबा बरारी के निर्देश सभी एसडीएम को दिये गये.

शहर के विकास के साथ उनकी लोकप्रियता योगी का रूप लेती नजर आ रही है

सतना में महापौर योगेश ताम्रकार बनते जा रहे छोटा योगी : उमेश गौतम

सतना, महापौर योगेश ताम्रकार अपनी कार्यप्रणाली कार्यशैली शहर के विकास के साथ उनकी लोकप्रियता एवं विकासप्रियता छोटा योगी का रूप लेती नजर आ रही है उमेश गौतम का कहना है जहां बिगत सालों में कितने महापौर आए और गए पर नजीराबाद की रोड नाली तक साफ नहीं करवा पाए थे या यू कहे की स्वच्छता पर ध्यान नहीं दिया गया वहीं नजीराबाद रोड में सौंदर्यीकरण कर बिल्डिंग को तोड़कर रोड बनाई गई जो सतना शहर को सुंदरता साप्रतीत होता दिख रहा है जिन्हें काम नहीं दिखता वह एक बार जा कर देख सकते है उस रोड का अवलोकन कर सकते हैं वहीं मुख्तारगंज रोड पर शंकर जी का मंदिर था ब्रजपुल के नीचे से जब मुख्तायारगंज की तरफ जाते थे तो निश्चित तौर दुर्घटनाओं के लोग शिकार होते थे वहीं विकास की दशा को दिखलाते हुए महापौर ने सबसे समन्वय बिठाकर वेंकटेश मंदिर के अंदर स्थापित करके यह साबित किया कि नगर की सुंदरता पर विशेष नजर रखी जा रही हैं वही अतिक्रमण में पन्नीलाल चौक में रूई मंडी जो आए दिन झगड़ा करते रहते थे पर कोई उसे हटा नहीं पाए थे वह बल पूर्वक विश्वास करके वहां से नहीं हटते थे उसे मंडी को भी महापौर सतना ने हटा दिया और ऐसा कार्य किया जो लोग सोच नहीं सकते लोगों का मानना है स्वच्छता को मद्देनजर रखते हुए पन्नीलाल चौक में चारों तरफ सौन्दरीकरण हो स्थापित देवी देवताओं के जो स्थान है उन्हें भी स्थानांतरित किया जा सकता है वहीं संतोषीमाता में मंदिर एक बहुत बेहतर सुंदरता का परिचायक वही नगरवन बनाया गया है यह देखा जाए तो सतना शहर सुंदरता के रूप में निखार दे रहा है और योगेश ताम्रकार कड़े निर्णय के लिए जाने जाते हैं उन्होंने जो निर्णय ले लिया उससे उसे हटाना उनकी बस की बात नहीं है इससे बहुत सारे वर्ग और समुदाय के लोग उनसे नाराज भी रहने लगे सूत्रों की माने तो सतना में छोटा योगी की शुरुआत के रूप में दिखने लगा है जो विकास क्षेत्र पर अग्रसर है वहीं सूत्रों से लोगों ने योगेश ताम्रकार को छोटा योग कहना शुरू कर दिया है क्योंकि महापौर शहर के स्वच्छता और विकसित संकल्प के साथ आगे बढ़ रहे हैं

ताइक्कांडो सांसद कप प्रतियोगिता में ज्ञानस्थली विद्यालय के खिलाड़ियों ने जीते 33 पदक

सतना । 2 फरवरी से 3 फरवरी तक ताइक्कांडो सांसद कप प्रतियोगिता का आयोजन खेल एवं युवा कल्याण विभाग स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में किया गया जिसमें ज्ञानस्थली विद्यालय के खिलाड़ियों उम्दा प्रदर्शन करते हुए कई पदक अपने नाम किये जिसमें मुख्य रूप से स्वर्ण पदक मयंक सेन जय शुक्ला,प्रसून सेन,संकल्प मिश्रा ,धैर्य सिंह बघेल, अंकुश चतुर्वेदी , विकास आर्यन आदित्य राज रिशांक अश्विनी सूर्यांश सोनांचल सोंधिया अंशुमान विष्णु संकल्प मिश्रा आफ़ीन हुश्ना शिवम रजत पदक आदर्श कुमार द्विवेदी मयंक त्रिपाठी, आरुष मिश्रा करण सिद्धांत आसु अक्षय जैन ,कृष तिवारी कांस्य पदक आदर्श तिवारी आर्यन त्रिपाठी , आयुष अनंत श्री बघेल चित्रांश सिंह ,दिव्य पुंज त्रिपाठी, रोशन सिंह, खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 33 पदक अपने नाम किये खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती सलोनी बत्रा जी एवं उप प्राचार्य कल्पना सिंह जी ने खिलाड़ियों को बधाई दी सभी खिलाड़ी ताइक्कांडो प्रशिक्षक पवन किशोर के संरक्षण में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समीक्षा बैठक

कलेक्टर ने कहा लंबित प्रकरणों पर जल्द करें निराकरण...

सतना, कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा प्रकरणों की समीक्षा बैठक में कलेक्टर श्री अनुराग वर्मा ने सीएम हेल्पलाईन के लंबित प्रकरणों का निराकरण समय-सीमा में सुनिश्चित करने के निर्देश विभाग प्रमुख अधिकारियों को दिये मैहर सीएम हैल्प लाईन को प्राथमिकता दें सभी विभाग प्रमुख मैहर से संबंधित शिकायतों के स्थानांतरण के बाद 14 हजार से अधिक सतना जिले में लंबित शिकायत होना चिंता जनक सम्मिलित जिले में हुआ करती थी 12 हजार के लगभग लंबित शिकायतें टी एल बैठक में कलेक्टर ने दिखाई सख्ती प्रात: 10.30 बजे से सोमवार को शुरू होने वाली समय सीमा प्रकरणों की बैठक में विलंब से आने वाले सभी विभाग प्रमुख अधिकारियों का एक दिवस का कटेगा वेतन ट्रेज़री अफसर को दिये निर्देश बिना सूचना दिए अनुपस्थित रहे अधिकारियो को भी जारी किए कारण बताओ नोटिस बैठक में सीईओ जिला पंचायत डॉ परीक्षित झाडे, अपर कलेक्टर श्री ऋषि पवार सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

राज्य कर्मचारी संघ के कैलेंडर का विमोचन

शाजापुर, मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी संघ की जिला शाखा द्वारा प्रकाशित वर्ष 2024 के कैलेंडर का विमोचन सांसद महेंद्र सिंह सोलंकी, विधायक अरुण भीमावद, जिला पंचायत अध्यक्ष हेमराज सिंह सिसोदिया, शुजालपुर नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती बबीता परमार, भारतीय जनता युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष श्याम टेलर, अभिभाषक संघ अध्यक्ष विवेक शर्मा, भाजपा नगर अध्यक्ष नवीन राठौर, कृष्णकांत कराड़ा ने किया, इस अवसर पर संघ के जिलाध्यक्ष गौरव सोनी, कार्यकारी जिलाध्यक्ष जॉय शर्मा, जिला सचिव मोहन किचोलिया, जिला कोषाध्यक्ष बनवारी बैरागी, ब्लॉक एवं तहसील पदाधिकारी गौरव शर्मा, आशीष जोशी, मनोज गुर्जर, अशोक जायसवाल, रवि सोनी, राजेश कुशवाह, जयंत बघेरवाल, मुकेश अस्तेय, अशोक नागर, संजय सोनी, ललित कुंभकार, विष्णुप्रसाद चावड़ा, सुरेश पाठक, सुबोध पाठक, बंटी राठोर, रविकुमार रानीवाल, अखिलेश सोनी, रितेश शर्मा, अमित पारछे, रमेश गवली आदि उपस्थित थे।

शाजापुर के विधायक श्री भीमावद ने विकास कार्यों की समीक्षा की

शाजापुर, 05 फरवरी 2024/ विधायक श्री अरुण भीमावद की अध्यक्षता में आज विधानसभा क्षेत्र कमांक-167 शाजापुर के विकास कार्यो की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर कलेक्टर सुश्री ऋजु बाफना, नगरपालिका उपाध्यक्ष श्री संतोष जोशी, जिला पंचायत सीईओ श्री संतोष टैगोर, अनुविभागीय अधिकारी शाजापुर श्री नरेन्द्र नाथ पाण्डेय, डिप्टी कलेक्टर सुश्री मनीषा वास्कले, श्री महेन्द्र प्रताप सिंह किरार व सुश्री नेहा गंगारे सहित श्री राधेश्याम गुर्जर, श्री हरिओम गोठी, श्री मोहनसिंह जादोन, श्री आशीष नागर, श्री श्याम टेलर, श्री हेमराज पाटीदार, गणमान्य नागरिक तथा संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

बैठक में विधायक श्री भीमावद द्वारा विकास कार्यों एवं निर्माण कार्यों की विभागवार समीक्षा की गई। जिसमें विधानसभा क्षेत्र कमांक-167 शाजापुर के जिला पंचायत (पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग), स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, लोक निर्माण विभाग (भवन), लोक निर्माण विभाग, ग्रामीण यांत्रिकी

सेवा, लोक निर्माण विभाग (सेतु), जल संसाधन, म.प्र. सडक विकास निगम, जिला शहरी विकास अभिकरण, प्रधानमंत्री ग्रामीण सडक विकास निगम, लोक स्वास्थ यांत्रिकी विभाग, म.प्र. विद्युत मण्डल एवं जिला योजना एवं सांख्यिकी कार्यालय के विकास कार्यों एवं निर्माण कार्यों की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई।

इस दौरान विधायक श्री भीमावद ने भविष्य की आवश्यकताओं को दृष्टिगत रखते हुए जिला अस्पताल के मास्टर प्लॉन, मक्सी में एबी रोड के नजदीक व बेरछा में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र तथा पनवाड़ी में प्राथमिक स्वास्थ केन्द्र बनाने के लिए प्रस्ताव तैयार करने तथा सभी स्वास्थ्य केन्द्रों पर सफाई कर्मी एवं सुरक्षा गार्ड की नियुक्ति करने के लिए कहा। इसी तरह उन्होंने भवन विहीन हाईस्कूल को चिन्हांकन करने तथा साजोद में हायरसेकेण्डरी संचालित करने के लिए प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिये। बैठक के दौरान उन्होंने शासकीय सेवकों के लिए भविष्य में बनाए जा रहे आवासों को मल्टी बनाने का सुझाव दिया। उन्होंने जलसंसाधन विभाग को निर्देश दिये कि नहर के स्थान पर बिछायी जाने वाली पाईपलाईन का पानी अंतिम गांव के छोर तक पहुंचे, इसके लिए प्रस्ताव तैयार करें। शाजापुर से बेरछा रोड की पुलिया की मरम्मत कराने, नगरीय क्षेत्र में संजीवनी क्लिनिक का प्रस्ताव तैयार करने, जलजीवन मिशन अंतर्गत नलजल के कार्य को शीघ्र पूर्ण करने, विद्युत विभाग द्वारा लगाए जा रहे ट्रांसफार्मर्स को शीघ्र लगाने, सब्जी मंडी में दुकान बनाने के लिए प्रस्ताव तैयार करने सहित अन्य विकास कार्यों के संबंध में आवश्यक निर्देश भी दिये।

विधायक श्री भीमावद ने सभी अधिकारियों से कहा कि वे अपने-अपने विभाग के कार्यों को टास्क के रूप में लेकर खुशी-खुशी पूरा करें। साथ ही उन्होंने कलेक्टर से कहा कि जो अधिकारी एवं कर्मचारी अच्छा कार्य करते हैं उनको समय-समय पर प्रोत्साहित भी करें। इस अवसर पर कलेक्टर सुश्री बाफना ने सभी अधिकारियों को दिये गये सुझावों के प्रस्ताव निर्धारित समय अवधि में तैयार करने के निर्देश दिये। साथ ही प्रगतिरत निर्माण कार्यों को गुणवत्ता के साथ निर्धारित समयसीमा में पूर्ण करने के लिए भी कहा।

यातायात पुलिस ने चलाया दो पहिया, बुलेट वाहन के विरुद्ध विशेष अभियान

शाजापुर, पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा सडक दुर्घटनाओं में कमी लाए जाने एवं यातायात संबंधित विभिन्न नियमों का पालन कराए जाने के संबंध में समयङ्कसमय पर जारी निर्देशों के परिपालन में पुलिस अधीक्षक यशपाल सिंह राजपूत एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक टीएस बघेल के निर्देशन में यातायात पुलिस द्वारा दो पहिया बुलेट वाहनों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया गया। शाजापुर यातायात थाना प्रभारी सौरभ शुक्ला द्वारा थाना यातायात से विशेष वाहन चेकिंग टीम बनाई जाकर बुलेट वाहनों की चेकिंग की गई, जिसमें यातायात मोटरयान अधिनियम द्वारा निर्देशित नियमों का पालन न करने वाले एवं नियम विरुद्ध संचालित वाहनों के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही की गई। थाना यातायात पुलिस द्वारा ट्रैफिक पॉइंट तिराहा, गांधी हाल तिराहा एवं दुपाडा तिराहा पर विशेष वाहन अभियान

चलाते हुए लगभग 100 से अधिक वाहनों को चेक किया गया। जिसमे मुख्यत: शहर में संचालित दो-पहिया बुलेट वाहन को चेकिंग के दौरान रोका जाकर उनके साइलेंसर की जांच की गई। इस दौरान 7 बुलेट दो-पहिया वाहनों में निर्धारित मानक अनुसार साइलेंसर न होने, बुलेट द्वारा फटाके की तेज़ आवाज निकालने, मॉडिफाइड साइलेंसर होने, बुलेट-दो पहिया वाहन पर खराब साइलेंसर लगे होने एवं विभिन्न नियमों का उलंघन करने पर वाहन जप्ती की कार्यवाही की गई। वहीं 4 दो पहिया वाहन बुलेट के मॉडिफाइड साइलेंसर निकाले जाकर जप्त किए गए। मॉडिफाइड साइलेंसर पाए जाने पर नियमानुसार 5 हजार रूपये का चालान एवं टूटेङ्कफूटे, खराब साइलेंसर का उपयोग करते पाए जाने पर नियमानुसार एकङ्कएक हज़ार रूपये समन शुल्क राशि के रूप में वाहन मालिको से वसूल किए गए एवं उनकी बुलेट वाहन के लिए नए साइलेंसर थाने पर मंगवाए जाकर मैकेनिक द्वारा बदलवाए गए। इसी प्रकार वाहन चेकिंग के दौरान बुलेट एवं अन्य दो पहिया वाहन चालक द्वारा हेलमेट धारण नहीं किए जाने पर कुल 19 दो पहिया वाहन चालको के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए कुल 5700 रूपये समन शुल्क राशि वसूल की गई। इन्हें यातायात थाना प्रभारी सौरभ शुक्ला ने यातायात नियमों के संबंध में जानकारी प्रदान कर हमेशा अपनी एवं अपने परिवार की सुरक्षा के लिए हेलमेट धारण करने व यातायात नियमों के पालन करने की अपील की गई। उन्हें भविष्य में नियमो के प्रति सतर्कता बरतने एवं अपने परिजनों को भी यातायात नियमो का पालन करने के लिए प्रेरित किए जाने की अपील की गई।

यातायात विभाग द्वारा की गई उक्त कार्यवाही में यातायात थाना प्रभारी शुक्ला के साथ यातायात थाने के सहायतार्थ सूबेदार रविशंकर वर्मा, सहायक उप निरीक्षक अशोक दुबे, सहायक उप निरीक्षक जितेन्द्र जाट, सहायक उप निरीक्षक श्याम चौधरी, सहायक उप निरीक्षक सुभाष पटेल, कार्यालय प्रभारी आरक्षक अमित जाट, आरक्षक निलेश भारती, धर्मेंद्र शर्मा, गौरव, कमलेश, मनीष, सैनिक नंदकिशोर, सैनिक ओमप्रकाश दुबे उपस्थित रहे।

ब्रिटेन के किंग चार्ल्स III को हुआ कैंसर, बकिंघम पैलेस ने दी जानकारी

इंटरनेशनल डेस्क: ब्रिटेन के राजा चार्ल्स तृतीय के एक प्रकार के कैंसर रोग से पीड़ित होने का पता चला है और उनका इलाज शुरू हो गया है। बकिंघम पैलेस ने सोमवार को यह जानकारी दी। लंदन स्थित बकिंघम पैलेस ब्रिटेन के शाही परिवार का आधिकारिक निवास है। बकिंघम पैलेस ने कहा कि इस कैंसर का चार्ल्स तृतीय के हालिया इलाज से कोई संबंध नहीं है। उसने यह नहीं बताया कि 75 वर्षीय चार्ल्स को किस प्रकार का कैंसर है। उसने कहा कि चार्ल्स अपने इलाज को लेकर पूरी तरह से सकारात्मक हैं और जल्द से जल्द पूर्ण सार्वजनिक जीवन में

लौटने के लिए उत्सुक हैं। **73 साल की उम्र में बने थे राजा** महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के निधन के बाद किंग चार्ल्स ब्रिटेन के राजा बने थे. पिछले साल मई में उनकी ताजपोशी हुई थी। इसके बाद उन्हें किंग चार्ल्स नाम से संबोधित किया जाता है। वो 73 साल की उम्र में राजा बने थे। चार्ल्स का जन्म 14 नवंबर 1948 को बकिंघम पैलेस में हुआ था। वो 4 साल के थे जब उनकी मां को महारानी एलिजाबेथ द्वितीय का ताज पहनाया गया था। 1969 में 20 साल की उम्र में उन्हें महारानी ने कैरफर्नन कैसल में प्रिंस ऑफ वेल्स के रूप में नियुक्त किया गया था। चार्ल्स ने 29 जुलाई 1981 को लेडी डायना स्पेंसर से शादी की। उस शादी से उनके दो बेटे प्रिंस विलियम और प्रिंस हैरी का जन्म हुआ। 28 अगस्त 1996 को शादी टूट गई। 9 अप्रैल 2005 को उन्होंने कैमिला से शादी की।

पाकिस्तान में ईसाइयों पर हमले लगातार जारी हैं

इंटरनेशनल डेस्क = सरगोधा में एक दुखद घटना ने स्थानीय समुदाय को सदमे में डाल दिया है, जो पाकिस्तान में ईसाइयों द्वारा सामना की जाने वाली कमजोरियों पर प्रकाश डालता है। 27 जनवरी 2024 को दोपहर 2ः30 बजे दो ईसाई समुदाए की महिलाएं बलात्कार के प्रयास का शिकार हो गईं। इन महिलाओं की पहचान रुखसाना नासिर और आसिफा बिलाल के रूप में हुई है। बता दे कि इन महिलाओं से चक नंबर 122 (दक्षिण), जिला सरगोधा के गन्ने के खेतों में क्रूर हमले और रेप का प्रयास किया गया। इस भयावह कृत्य ने स्थानीय समुदाय के भीतर आक्रोश की भावना को प्रज्वलित कर दिया है, जिससे न्याय की तत्काल मांग की गई है और अल्पसंख्यक अधिकारों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। यह घटना कमजोर आबादी के लिए बेहतर सुरक्षा उपायों की सख्त जरूरत को रेखांकित करती है, साथ ही कुछ क्षेत्रों में अपर्याप्त स्वच्छता सुविधाओं के महत्वपूर्ण मुद्दे को भी संबोधित करती है। रुखसाना के पति और पाकिस्तान आर्मी डिपो में माली नासिर मसीह ने उस भयावह दृश्य का स्पष्ट रूप से वर्णन किया जो तब सामने आया जब वे अपनी पत्नियों की मदद के लिए दौड़े।रुखसाना बेहोश पड़ी थी, उसके कपड़े खून से सने हुए थे, जिससे हमले की गंभीरता का पता चल रहा था। नासिर ने अपने परिवार के प्रति एरियन के पिछले अनुचित व्यवहार के बारे में गंभीर चिंता व्यक्त की, जिससे इस क्रूर हमले के पीछे के मकसद के बारे में संदेह बढ़ गया।

दुनिया को यूएई में मोदी द्वारा हिंदू मंदिर के उद्घाटन का इंतजार है

नेशनल डेस्क = भारतीय दूतावास ने कहा कि दुनिया भर के लोग अबू धाबी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 14 फरवरी को होने वाले बीएपीएस हिंदू मंदिर के उद्घाटन का इंतजार कर रहे हैं। यूएई में भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि शानदार दृश्य, मंत्रमुग्ध कर देने वाली वास्तुकला के साथ, मंदिर को उसकी पूरी भव्यता में दिखाते हैं। मंत्रमुग्ध कर देने वाली वास्तुकला के साथ शानदार दृश्य मंदिर को उसकी पूरी भव्यता में दिखाते हैं। बीएपीएस स्वामीनारायण संस्था ने एक प्रेस बयान में कहा कि पीएम मोदी ने हाल ही में 14 फरवरी को अबू धाबी में बीएपीएस हिंदू मंदिर के उद्घाटन के लिए निदेशक मंडल के साथ स्वामी ईश्वरचरणदास और स्वामी ब्रह्मविहरिदास द्वारा दिए गए निमंत्रण को स्वीकार कर लिया है। दिसंबर में पीएम मोदी और बीएपीएस स्वामी ईश्वरचरणदास ने प्रधान मंत्री के आवासीय कार्यालय में मुलाकात की और पीएम मोदी ने ऐतिहासिक और प्रतिष्ठित मंदिर के लिए अपना उत्साही समर्थन व्यक्त करते हुए निमंत्रण को विनम्रतापूर्वक स्वीकार

कर लिया।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले महीने यूएई की अपनी आगामी यात्रा के दौरान, मंदिर के उद्घाटन से एक दिन पहले 13 फरवरी को अहलान मोदी नामक एक सामुदायिक स्वागत समारोह में भारतीय प्रवासियों को संबोधित करेंगे। यह कार्यक्रम जिसका शीर्षक मोटे तौर पर हैलो मोदी है। अबू धाबी के शेख जायद स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा।

उइघुर समूह कनाडा के चुनाव हस्तक्षेप आयोग से हट गया

नेशनल डेस्क = कनाडा के उइगर समुदाय का एक समूह उन आरोपों की जांच कर रहे आयोग से हट गया है कि चीन और अन्य देश देश के चुनावों में हस्तक्षेप कर रहे हैं। शुक्रवार को जैसे ही पहले दौर की सुनवाई समाप्त हुई, उइघुर राइट्स एडवोकेसी प्रोजेक्ट ने घोषणा की कि वह आयोग से बाहर निकल रहा है। समूह का कहना है कि वह इस चिंता के कारण पीछे हट गया कि चीन के प्रति कथित सहानुभूति रखने वाले दो राजनेताओं को समीक्षा निकाय में पूर्ण दर्जा दिया गया है। संगठन, जिसे यूआरएपी के नाम से भी जाना जाता है, उनकी पहचान स्वतंत्र संसद सदस्य हान डोंग और अब मार्खम, ओंटारियो के डिप्टी मेयर माइकल चैन के रूप में करता है। दोनों ने बार-बार चीनी सरकार से किसी भी संबंध से इनकार किया है। उइघुर संगठन के नीति और वकालत निदेशक मिरी टेइच ने कहा कि राजनेता अपनी सार्वजनिक टिप्पणियों में चीनी कम्युनिस्ट पार्टी या सीसीपी के साथ बहुत मजबूती से जुड़े हुए हैं। टेइच ने कहा, ये ऐसे व्यक्ति हैं जो उइघुर नरसंहार से इनकार करने और उइगरों से संबंधित सभी प्रकार के वोटों से परहेज करने के मामले में सीसीपी के समान बात करते हैं। टेइच ने कहा कि अगर दोनों आयोग के सदस्य बने रहेंगे, तो इससे उन्हें सबूतों तक पहुंच मिलेगी और उइघुर गवाहों से जिरह करने की क्षमता मिलेगी, जो वे नहीं चाहते हैं। उन्होंने कहा, सैद्धांतिक रूप से, हम ऐसी जांच में भाग नहीं लेना चाहते जो ऐसे व्यक्तियों को सशक्त बना रही है - खासकर यदि उनके पास गवाहों से जिरह करने की क्षमता है।

दक्षिण कोरिया की कोर्ट ने सैमसंग चेयरमैन को किया बरी

सोल: दक्षिण कोरिया की एक अदालत ने शेयर मूल्यों में हेरफेर करने और 2015 में सैमसंग की दो सहायक कंपनियों के विवादास्पद विलय के संबंध में धोखाधड़ी के आरोपी सैमसंग इलेक्ट्रोनिक्स के चेयरमैन ली जे योंग को सोमवार को बरी कर दिया। मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है। योंग पर कम लागत पर समूह पर नियंत्रण करने के लिए चेइल इंडस्ट्रीज और सैमसंग सी एंड टी के विलय के दौरान बाजार में अनियमितताओं में शामिल होने के लिए धोखाधड़ी का आरोप लगाया गया था। दक्षिण कोरियाई समाचार एजेंसी योनहाप ने बताया कि अभियोजकों ने जोंग पर स्टॉक मूल्य में हेराफेरी, विश्वास तोड़ने और लेखांकन धोखाधड़ी का संदेह जताया था। अदालत ने कहा कि अभियोजन

पक्ष सैमसंग सी एंड टी और चेइल इंडस्ट्रीज के बीच विलय को गैरकानूनी और सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स पर ली के नियंत्रण को मजबूत करने के उद्देश्य को पर्याप्त रूप से साबित करने में विफल रहा। कथित तौर पर उद्योगपति जोंग ने बाजार सूचना को गलत तरीके से प्रसारित करने, सहयोगियों के शेयरों को खरीदने और सैमसंग सीएंडटी की कीमतों को कम करने और चेल इंडस्ट्रीज की कीमतों को बढ़ाने के लिए एक सौदे के लिए अवैध रूप से पैरवी करने का सहारा लिया। योंग 23.2 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ चेइल इंडस्ट्रीज के सबसे बड़े शेयरधारक थे, जबकि सैमसंग सीएंडटी सैमसंग ग्रुप होल्डिंग कंपनी की मूल कंपनी थी। गौरतलब है कि योंग के पिता को 2014 में दिल का दौरा पड़ने के बाद पारिवारिक व्यवसाय में उनके उत्तराधिकार के लिए इस विलय को महत्वपूर्ण माना गया था। अभियोजकों ने योंग के लिए पांच साल की जेल की सजा और 373,500 डॉलर के जुर्माने की मांग की थी। योनहाप रिपोर्ट के अनुसार अदालत ने सैमसंग के कई पूर्व कर्मचारियों को भी बरी कर दिया, जिन पर विलय मामले में कई आरोप लगाए गए थे।

पहली बार मीडिया से रू-ब-रू हुए राधा स्वामी सत्संग डेरा ब्यास के प्रमुख

जालंधर = राधा स्वामी सत्संग डेरा ब्यास के प्रमुख बाबा गुरिंदर सिंह ढिल्लों नई दिल्ली में पहली बार मीडिया से रू-ब-रू हुए। उन्होंने कहा कि सोच और रास्ते अलग-अलग हो सकते हैं लेकिन परमपिता परमात्मा एक है। उन्होंने कहा कि प्राइम मिनिस्टर और वाइस प्रैजीडैंट के साथ मुलाकात काफी अच्छी रही। बाबा जी बोले-ऑल द बैस्ट एवरीबॉडी । वे सोमवार को नई दिल्ली में संसद की कार्रवाई देखने पहुंचे थे। उनके साथ विभिन्न धर्मों के गुरु और प्रचारक भी मौजूद थे। उल्लेखनीय है कि डेरा ब्यास प्रमुख बाबा गुरिंदर सिंह ढिल्लों ने सन 1990 में गद्दी संभाली थी। तब से वे हमेशा ही मीडिया से दूर रहे लेकिन कोरोना काल के दौरान जब लंबे समय तक डेरा ब्यास और सत्संग घरों में सत्संग नहीं हुआ तो बाबा जी ने ऑनलाइन जुड़कर संगत को दर्शन दिए और आध्यात्मिक सवालों के जवाब भी दिए। तब से उनके वीडियो सोशल मीडिया पर ही वायरल हो रहे हैं।

पिता की दुश्मनी पड़ी बेटी को भारी, पड़ोसी ने ही कर डाली नाबालिग की हत्या

नेशनल डेस्क- गुरुग्राम में 14 वर्षीय एक किशोरी की कथित तौर पर उसके पड़ोसी ने गला रेतकर हत्या कर दी और भागने से पहले शव को अपने घर में छिपा दिया। यह जानकारी पुलिस ने सोमवार को दी। मृतिका की मां की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी नेपाली युवक के खिलाफ केस दर्ज करके उसकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक जांच के अनुसार, पड़ोस में ही रहने वाले आरोपी ने आपसी दुश्मनी का बदला लेने के लिए नाबालिग की हत्या कर दी। पीड़िता अपने परिवार के साथ यहां सिलोखरा गांव की इंदिरा कॉलोनी में एक कमरे के किराए के घर में रहती थी। हत्या की वारदात रविवार रात करीब 9 बजे की है। लड़की की मां ने उसे साबुन लाने के लिए एक सामान्य शौचालय में भेजा था। लड़की जब काफी देर तक वापस नहीं लौटी तो उसके परिवार के सदस्यों ने उसकी तलाश शुरू कर दी। उसके पिता ज्ञानी थापा ने हत्या के आरोपी बहादुर को उसके कमरे के बाहर खड़ा देखा तो उससे अपनी बेटी के बारे में पूछा।

बर्फबारी से उत्तर भारत में बढ़ी ठंड, इन इलाकों में बारिश की संभावना

नेशनल डेस्क- उत्तर भारत के कई राज्यों में फिलहाल ठंड से राहत मिलने के आसार नहीं हैं। वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के कारण कई हिस्सों में बारिश हो रही है और पहाड़ी क्षेत्रों में भारी बर्फबारी जारी है। न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी हुई है। मौसम विभाग के अनुसार शीतलहर और घने कोहरे की स्थिति आने वाले दिनों में उत्तरी राज्यों में देखने के मिल सकती है।

देश की मौसम प्रणाली

मौसम पूर्वानुमान एजेंसी स्काईमेट के मुताबिक, पश्चिमी विक्षोभ मध्य क्षोभमंडलीय पश्चिमी हवाओं में एक गर्त के रूप में बना हुआ है जो लगभग 71 डिग्री पूर्व देशांतर के साथ 32 डिग्री उत्तर अक्षांश के उत्तर में चल रहा है। वहीं एक प्रेरित चक्रवाती परिसंचरण उत्तर पश्चिमी राजस्थान और आसपास के क्षेत्रों पर है। उच्च ऊपरी वायुमंडल से आने वाली जेट स्ट्रीम हवाएं उत्तर पश्चिम भारत में चल रही हैं, जबकि पूर्वी बांग्लादेश और उसके आसपास चक्रवाती हवाएं बना रही हैं। इन कारणों से

देश में मौसमी गतिविधियों में बदलाव हो रहा है। **दिल्ली के मौसम का हाल** दिल्ली-एनसीआर में पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से हल्की बारिश हुई है, लेकिन ठंड में कमी आई है। मौसम विभाग के मुताबिक, आने वाले दिनों में फिर से कोहरे की स्थिति बन सकती है और 8 फरवरी को तेज हवाएं चल सकती हैं। मौसम विभाग के अनुसार, दिल्ली का न्यूनतम तापमान 7 से 9 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है और अधिकतम तापमान 21 से 23 डिग्री सेल्सियस के बीच हो सकता है।

कैसा रहेगा देश का मौसम?

मौसम विभाग के मुताबिक, अगले 24 घंटों में पश्चिमी हिमालय, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश में हल्की से मध्यम बारिश और बर्फबारी की संभावना है। पश्चिमी हिमालय पर मौसम साफ हो जाएगा, लेकिन अरुणाचल प्रदेश में छिटपुट बारिश और बर्फबारी जारी रह सकती है। इसके अलावा पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और पूर्वोत्तर भारत के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश की संभवना है। पंजाब और हरियाणा के कुछ हिस्सों में सुबह के समय घना से बहुत घना कोहरा छा सकता है, जबकि गंगीय पश्चिम बंगाल, असम और मेघालय के कुछ हिस्सों में घना कोहरा हो सकता है। इस तरह, देश भर में मौसम में चरम परिवर्तन के संकेत हैं और लोगों को सतर्क रहने की आवश्यकता है।

सीरिया में अमेरिकी सैनिकों के आवास पर ड्रोन हमले में एसडीएफ बलों के 6 सदस्य मारे गए

इंटरनेशनल डेस्क = सीरिया के डेर एज़-ज़ोर शहर में अमेरिकी सैनिकों के प्रशिक्षण अड्डे पर एक ड्रोन हमले में अमेरिका समर्थित सीरियाई डेमोक्रेटिक फोर्सेज (एसडीएफ) के कम से कम छह सदस्य मारे गए। एसडीएफ मीडिया सेंटर ने सोमवार को एक बयान में यह जानकारी दी। बयान में कहा गया, ''ईरानी समर्थित मिलिशिया ने डेर एज़-ज़ोर में सीरियाई शासन-नियंत्रित क्षेत्रों को आतंकवादी हमले के लिए मंच के रूप में इस्तेमाल किया, जिसने हमारी कमांडो अकादमी को निशाना बनाया और परिणामस्वरूप हमारे छह कमांडो लड़ाके शहीद हो गए। बयान में कहा गया है कि प्रारंभिक जांच से पुष्टि हुई है कि डेर एज़ ज़ोर में अल-उमर तेल क्षेत्र में एसडीएफ बलों के खिलाफ ड्रोन हमले के पीछे ईरान समर्थित मिलिशिया थे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569